लखनऊ

शनिवार 24 जनवरी, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 155

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

खुशी पाने का सबसे आसान तरीका है किसी के चेहरे पर मुस्कान लाने की कोशिश करना।

TODAY WEATHER

DAY 20° Hi

NIGHT 10° Low

संक्षेप

रोकी गई माता वैष्णो देवी की यात्रा, पहाड़ियों पर हो रही भारी बारिश और बर्फबारी

श्रीनगर। शुक्रवार को अचानक बदले मौसम ने उत्तर भारत के कई पहाड़ी क्षेत्रों में ठंड और बारिश का प्रकोप बढ़ा दिया। जम्मू-कश्मीर में बीती रात से जारी खराब मौसम के चलते जनजीवन प्रभावित हो गया है। इस साल पहली बार जम्मू प्रांत में इतनी व्यापक स्तर पर बारिश और बर्फबारी देखने को मिली है। बदलते मौसम का सबसे ज्यादा असर त्रिकुटा पहाड़ियों पर पड़ा है, जहां भारी बारिश और बर्फबारी के कारण माता वैष्णो देवी की पवित्र यात्रा को एहतियातन रोक दिया गया है। माता के भवन क्षेत्र में रातभर बारिश होती रही और सुबह होते-होते बर्फबारी शुरू हो गई, जिससे हालात और चुनौतीपूर्ण हो गए। सुरक्षा कारणों से नए श्रद्धालुओं के पंजीकरण पर भी फिलहाल रोक लगा दी गई है।

लगातार बारिश और बर्फबारी के चलते यात्रा मार्ग फिसलन भरे हो गए हैं, जिससे श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर खतरा बढ़ गया है। मौसम की गंभीरता को देखते हुए भूस्खलन की संभावना भी बढ़ गई है। इन्हीं परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने यात्रा को अस्थायी रूप से स्थगित करने का फैसला लिया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले 36 घंटों तक जम्मू-कश्मीर में मौसम का यही रुख बना रह सकता है। जम्मू के मैदानी क्षेत्रों में जहां लगातार बारिश हो रही है, वहीं ऊंचाई वाले और पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी का दौर जारी है। प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पटनीटॉप में देर रात करीब 1:30 बजे से बर्फ गिरनी शुरू हुई, जो अब तक थमी नहीं है। इसके अलावा राजौरी और पूंछ के ऊंचे पहाड़ी इलाकों में भी लगातार हिमपात हो रहा है। मौसम विभाग ने आने वाले समय में कई स्थानों पर भारी बर्फबारी की चेतावनी जारी की है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

एसआईआर के डर के कारण रोजाना आत्महत्या कर रहे तीन से चार लोग : मुख्यमंत्री ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में जारी एसआईआर प्रक्रिया को लेकर शुक्रवार को एक बार फिर केंद्र और चुनाव आयोग (ईसीआई) पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर बढ़ी चिंता के कारण हर दिन तीन से चार लोग आत्महत्या कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर रेड रोड पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि इन मौतों की जिम्मेदारी चुनाव आयोग और केंद्र सरकार को लेनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि अब तक 110 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि एआईआर के डर के कारण हर दिन तीन से चार लोग आत्महत्या कर रहे हैं। राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने भाजपा पर बंगाल के खिलाफ साजिश रचने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ टैगोर, सुभाष चंद्र बोस और भीमराव आंबेडकर जैसे देश की विभूतियों का अपमान किया जा रहा है।

लेफ्ट की जोड़ी तोड़ने का समय, सबरीमाला मंदिर से सोना चुराने वाले जाएंगे जेल: पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केरल दौरे पर हैं। यहां उन्होंने कई परियोजनाओं की शुरुआत की। इसके साथ ही एक जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने बीजेपी कार्यकर्ताओं से कहा कि तिरुवनंतपुरम के साथ दशकों से लेफ्ट ने बहुत अन्याय किया। लेफ्ट और कांग्रेस ने करप्शन के चलते यहां की जनता को बेसिक सुविधाओं से वंचित रखा है। अब ऐसा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि मंदिर से सोना चोरी करने वालों को जेल में डाला। यह मोदी की गारंटी है।

पीएम मोदी ने बीजेपी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज मेरे लिए बहुत ही भावुक पल है। लाखों कार्यकर्ताओं का परिश्रम रंग ला रहा है। आज मैं सबसे पहले केरल और तिरुवनंतपुरम की जनता को, हमारे लाखों समर्थकों को, साथियों को अपना भाषण शुरू करने से पहले बहुत ही आदरपूर्वक नमन करना चाहता हूं।

हमारी गुजरात से शुरू हुई थी यात्रा- मोदी

यहां मौजूद लेफ्ट-झुकाव वाले ग्रुप शायद मुझे पसंद न करें। लेकिन, मुझे सच बताने दीजिए। 1987 से पहले, गुजरात में BJP एक छोटी पार्टी थी। 1987 में, पहली बार BJP ने अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन पर कंट्रोल हासिल किया। ठीक वैसे ही जैसे पार्टी ने हाल ही में तिरुवनंतपुरम में जीत हासिल की है। तब से, गुजरात के लोगों ने हमें सेवा करने के मौके दिए हैं, और हम दशकों से ऐसा करते आ रहे हैं।

आगे कहा कि हमारी यात्रा गुजरात के एक शहर से शुरू हुई थी और इसी तरह, केरल में भी हमारी शुरुआत एक शहर से हुई है। मेरा मानना है कि यह दिखाता है कि केरल के लोग BJP पर भरोसा करना शुरू कर रहे हैं, और उसी तरह हमसे जुड़ रहे हैं जैसे गुजरात एक समय जुड़ा था।

सबरीमाला मामले पर मोदी का बड़ा ऐलान, कहा- भाजपा सरकार बनी तो दोषियों से एक-एक पाई वसूलेंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को केरल की सत्तारूढ़ वाम-लोकतांत्रिक गठबंधन (एलडीएफ) सरकार पर सबरीमाला मंदिर की परंपराओं को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया और आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा के सत्ता में आने पर सोने की चोरी के मामले की पूरी जांच का वादा किया। तिरुवनंतपुरम में एक सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पूरा देश, हम सभी, भगवान अय्यप्पा में अटूट आस्था रखते हैं। हालांकि, एलडीएफ सरकार ने सबरीमाला मंदिर की परंपराओं को नुकसान पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। अब यहां से सोने की चोरी की खबरें आ रही हैं। मंदिर से, भगवान के ठीक बगल से सोना चोरी होने की खबरें आ रही हैं। मैं एक बात स्पष्ट करना चाहता हूं: जैसे ही यहां भाजपा की सरकार बनेगी, इन आरोपों की पूरी जांच होगी और दोषियों को जेल भेजा जाएगा। यह मोदी का आश्वासन है। सबरीमाला स्वर्ण चोरी मामले में मंदिर के पवित्र अवशेषों, जिनमें श्रीकोविल (गर्भगृह) के द्वार के फ्रेम और द्वारपाल की मूर्तियाँ शामिल हैं, से लगभग 4.54 किलोग्राम सोने की हेराफेरी का आरोप है।

सोने की चोरी करने वालों को भेजेंगे जेल: पीएम

प्रधानमंत्री मोदी ने सबरीमाला मंदिर पर भी बात की है। उन्होंने कहा कि भगवान अयप्पा के मंदिर में पूरे देश के लोगों की आस्था है। लेकिन, एलडीएफ सरकार ने सबरीमाला मंदिर को नुकसान पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। यहां सोने की चोरी हो रही है। भगवान के पास से सोने की चोरी, यहां बीजेपी की सरकार बनते ही आरोपों की पूरी जांच होगी दोषियों की जगह जेल में होगी। ये हमारी गारंटी है।

तिरुवनंतपुरम इंफ्रास्ट्रक्चर से दूर रखा गया- पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि दशकों से LDF और UDF दोनों ने तिरुवनंतपुरम की उपेक्षा की है, जिससे शहर को बुनियादी सुविधाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर से वंचित रखा गया है। लेफ्ट और कांग्रेस हमारी जनता की ज़रूरतों को पूरा करने में लगातार नाकाम रहे हैं। हालांकि हमारी BJP टीम ने पहले ही एक विकसित तिरुवनंतपुरम की दिशा में काम करना शुरू कर दिया है।

आगे कहा कि इस शहर के लोगों से, मैं कहता हूं विश्वास रखें जो बदलाव बहुत पहले हो जाना चाहिए था, वह आखिरकार आ रहा है। तिरुवनंतपुरम, पूरे देश के लिए, एक मॉडल शहर बनेगा। मैं तिरुवनंतपुरम को भारत के सबसे अच्छे शहरों में से एक बनाने के लिए अपना पूरा समर्थन देता हूं।

अब जोड़ी तोड़ने का समय आ गया: पीएम

पीएम मोदी ने बीजेपी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि त्रिपुरा में 30 सालों से लेफ्ट की सरकार थी बाद में तंग आकर जनता ने बीजेपी को मौका दिया।वहां दोबारा बीजेपी की सरकार चल रही है। अब वहां लेफ्ट का नामोनिशान भी नहीं बचा है। यही वजह है कि उनकी मिलीभगत खत्म हो गई है। बंगाल देखिए 35 साल तक लेफ्ट ने राज किया। सरकार बदली, परिणाम यह है कि आज उनको चुनाव लड़ने के उम्मीदवार नहीं मिलते हैं। उन्होंने कहा कि अब जोड़ी तोड़ने का समय आ गया है।

तिरुवनंतपुरम में भाजपा की जीत की तुलना अहमदाबाद से क्यों की?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम चुनाव में भाजपा की जीत को ऐतिहासिक बताया।

उन्होंने कहा कि यह जीत सुशासन की जीत है और विकसित केरल के संकल्प की जीत है।

प्रधानमंत्री ने इसे एलडीएफ और यूडीएफ के भ्रष्टाचार से केरल को मुक्त कराने की प्रतिबद्धता की जीत बताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने केरल में भाजपा की शुरुआत की तुलना गुजरात में पार्टी के शुरुआती सफर से की।

उन्होंने कहा कि 1987 से पहले गुजरात में भाजपा एक छोटी पार्टी थी और उसी साल पहली बार अहमदाबाद नगर निगम चुनाव जीता गया था।

मोदी ने कहा कि जैसे गुजरात में एक शहर से शुरुआत हुई, वैसे ही केरल में भी भाजपा की नई राजनीतिक यात्रा एक शहर से शुरू हो रही है।

नोएडा इंजीनियर मौत मामला : लोटस ग्रीन के बिल्डर पर कसा शिकंजा, गैर-जमानती वारंट जारी

आर्यावर्त क्रांति

ग्रेटर नोएडा। युवराज मेहता की मौत के मामले में ग्रेटर नोएडा पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। लोटस ग्रीन के बिल्डर निर्मल सिंह के खिलाफ गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी किया गया है। पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान बिल्डर की भूमिका सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई। एनबीडब्ल्यू जारी होने के बाद पुलिस टीमों को आरोपियों का पता लगाने और आगे की कानूनी कार्यवाही शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। ग्रेटर नोएडा पुलिस ने लोटस ग्रीन कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड और बिल्डर से जुड़े दो व्यक्तियों, रवि बंसल और सचिन करणवाल को मेहता की मौत के सिलसिले में गिरफ्तार किया।

आज सुबह राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के जवानों ने ग्रेटर नोएडा के सेक्टर 150 स्थित उस जगह का निरीक्षण किया, जहां 27 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की 16-17 जनवरी की रात को कार के पानी से भरे गड्ढे में गिरने से दुखद मौत हो गई थी। यह निरीक्षण ऐसे समय में हुआ है जब राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) ने घटना का स्वतः संज्ञान लेते हुए कथित पर्यावरणीय नियमों के उल्लंघन और लंबे समय से चल रही प्रशासनिक निष्क्रियता के लिए कई राज्य और स्थानीय अधिकारियों से जवाब मांगा है। इससे पहले, अभय कुमार, संजय कुमार, मनीष कुमार, अचल बोहरा और निर्मल कुमार सहित पांच अन्य व्यक्तियों के खिलाफ भी पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986, जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 और भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत उल्लंघन का हवाला देते हुए एफआईआर दर्ज की गई थी।

एफआईआर में खुलासा हुआ कि गड्ढा गहरा, बिना बैरिकेड वाला और कचरे से मिश्रित अत्यधिक प्रदूषित पानी से भरा हुआ था, जिससे दुर्गंध आ रही थी और आसपास के निवासियों को परेशानी हो रही थी। सार्वजनिक सड़क के पास स्थित यह गड्ढा मानव जीवन के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहा था, क्योंकि वहां कोई चेतावनी संकेत या सुरक्षा उपाय मौजूद नहीं थे। यह जमीन लोटस ग्रीन कंस्ट्रक्शन द्वारा 2014 में खरीदी गई थी और बाद में 2020 में विज़टाउन को बेच दी गई थी, हालांकि कंपनी अभी भी इसमें एक महत्वपूर्ण हिस्सेदारी रखती है।

कार्योत्तर पर्यावरणीय मंजूरी को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने दायर की याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर कार्योत्तर पर्यावरणीय मंजूरी (एक्स पोस्ट फैक्टो) को चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि ये कार्योत्तर पर्यावरण मंजूरी कानून की नजर में गलत हैं और ये शासन का मजाक उड़ाने जैसा है। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, 'अरावली को फिर से परिभाषित करने के पहले के फैसले पर 29 दिसंबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट की समीक्षा से उत्साहित होकर, मैंने सुप्रीम कोर्ट में कार्योत्तर पर्यावरण मंजूरी को चुनौती देते हुए एक याचिका दायर की है।'

कांग्रेस नेता ने कार्योत्तर मंजूरी को बताया गलत

पूर्व पर्यावरण मंत्री ने कहा, 'काम होने के बाद दी गई पर्यावरण मंजूरी कानून की नजर में गलत है, सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, और शासन का मजाक उड़ाती है। ये उन लोगों को आसानी से बचने का रास्ता देती हैं जो असल में जानबूझकर पर्यावरण नियमों का उल्लंघन करते हैं।' उन्होंने कहा कि कानून का उल्लंघन करने के लिए कानून की जानकारी न होना कोई बहाना नहीं हो सकता।

पिछले महीने, कांग्रेस महासचिव ने सुप्रीम कोर्ट से तीन जरूरी पर्यावरणीय मामलों पर स्वतः संज्ञान लेने का आग्रह किया था। रमेश ने सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश का जिक्र किया जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने अरावली को फिर से परिभाषित करने वाले अपने 20 नवंबर के फैसले को वापस ले लिया था और कहा कि यह बहुत जरूरी और स्वागत योग्य था।

जयराम रमेश ने कहा कि 18 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने 16 मई के अपने पहले के फैसले की समीक्षा का दरवाजा भी खोल दिया था, जिसमें काम होने के बाद (कार्योत्तर) पर्यावरण मंजूरी पर रोक लगाई गई थी। उन्होंने कहा, 'ऐसी मंजूरियां न्यायशास्त्र की बुनियाद के ही खिलाफ हैं और शासन का मजाक उड़ाती हैं। पिछली तारीख से मंजूरी कभी नहीं दी जानी चाहिए।'

दिल्ली हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, तुर्कमान गेट हिंसा में आरोपी की जमानत रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी। तुर्कमान गेट हिंसा मामले में दिल्ली हाई कोर्ट का बड़ा फैसला आया है। कोर्ट ने उस आरोपी को दी गई जमानत रद्द कर दी है जो इस महीने की शुरुआत में फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण हटाए जाने के अभियान के दौरान पथराव करने वाली भीड़ में कथित तौर पर शामिल था। जस्टिस प्रतीक जालान ने मामले को पुनर्विचार के लिए अधीनस्थ अदालत में वापस भेजा है।

जस्टिस जालान ने कहा है कि अदालत किसी व्यक्ति को दी गई राहत में हस्तक्षेप करने में बेहद सतर्क रहती है लेकिन यह एक असाधारण मामला है, जिसमें रेहड़ी-पटरी लगाने वाले उबैदुल्ला को एक अस्पष्ट और तर्कहीन आदेश से जमानत दी गई थी। अधीनस्थ अदालत ने उबैदुल्ला को 20 जनवरी को जमानत दी थी।

जस्टिस जालान ने कहा, जमानत आदेश में अभियोजन पक्ष के तर्कों पर अच्छी तरह से विचार नहीं किया गया। जमानत के फैसले को कंट्रोल करने वाले कारकों का ठीक से विश्लेषण भी नहीं किया गया। अदालत ने 21 जनवरी को पारित अपने आदेश में कहा, पर्याप्त कारणों के अभाव में अधीनस्थ अदालत का आदेश रद्द किया जाता है। साथ ही मामले को सत्र न्यायालय को वापस भेजा जाता है।

सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाई गई: दिल्ली पुलिस

यह मामला 6 और 7 जनवरी की दरम्यानी रात को रामलीला मैदान क्षेत्र में मस्जिद के पास अतिक्रमण-रोधी अभियान के दौरान हुई हिंसा से जुड़ा है।पुलिस ने कहा कि सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाई गई कि तुर्कमान गेट के सामने वाली मस्जिद को ध्वस्त किया जा रहा है, जिससे लोग मौके पर जमा हो गए। करीब 150-200 लोगों ने पुलिस और दिल्ली नगर निगम के कर्मियों पर पत्थर और कांच की बोतलें फेंकीं, जिससे क्षेत्र के थाना प्रभारी समेत छह पुलिसकर्मी घायल हो गए। उधर, पथराव की घटना के बाद दिल्ली पुलिस ने बताया था कि अतिक्रमण हटाए जाने के संबंध में पुलिस ने पहले ही मीटिंग ली थी। अमन कमेटी के साथ भी मीटिंग हुई थी, जिसमें बताया गया था कि मस्जिद को नहीं बल्कि आसपास के अतिक्रमण को हटाया जाएगा। हमने 120 से 130 से ज्यादा मौलवियों के साथ मीटिंग की थी। उनसे कहा भी था कि अगर इस आदेश से खुश नहीं हैं तो अपील कर सकते हैं।

मौसम का बदला मिजाज, बसंत पंचमी पर वेदर हुआ कूल-कूल, पंजाब, हरियाणा समेत कई राज्यों में तेज बारिश

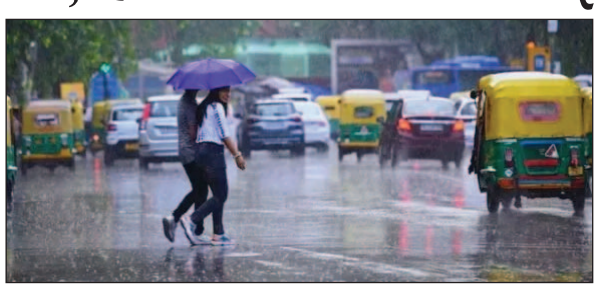

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और राजस्थान के कई इलाकों में मौसम ने अचानक अपना रुख बदल लिया है। बवाना, नरेला, रोहिणी से लेकर बहादुरगढ़, रोहतक और कोटपूतली तक तेज झोंकेदार हवाएं चल रही हैं। आसमान में घने बादल छाए हुए हैं और कई जगहों पर हल्की बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की भी चेतावनी जारी की है। आने वाले कुछ घंटे मौसम के लिहाज से अहम माने जा रहे हैं।

इन इलाकों में दिख रहा तेज हवाओं का असर

दिल्ली के नरेला, बवाना, अलीपुर, बुराड़ी, कंझावला, रोहिणी, बादली, मॉडल टाउन, आजादपुर, पीतमपुरा, मुंडका, पश्चिम विहार, पंजाबी बाग, राजौरी गार्डन, जाफरपुर, नजफगढ़ और द्वारका समेत एनसीआर के बहादुरगढ़ में मौसम बदला हुआ नजर आ रहा है।

हरियाणा के रोहतक, झज्जर, फरुखनगर, महेंद्रगढ़, नारनौल और राजस्थान के कोटपूतली में भी हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है। इस दौरान 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

दिल्ली के लिए मौसम विभाग का अलर्ट

राजधानी दिल्ली में पूरे दिन आसमान में बादल छाए रहने के आसार हैं। सुबह से दोपहर के बीच हल्की बारिश हो सकती है, जबकि कुछ इलाकों में एक-दो तेज बौछारें भी पड़ सकती हैं। गरज के साथ बिजली चमकने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। दोपहर के समय कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है, वहीं शाम के वक्त हल्की धुंध भी छा सकती है।

नॉर्थ-वेस्ट इंडिया में मौसम का हाल

एक सक्रिय वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के प्रभाव से 23 जनवरी 2026 को पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर बर्फबारी, ओलावृष्टि और भारी बारिश की संभावना है। इस दौरान बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की चेतावनी भी दी गई है। इसका असर उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में भी देखने को मिल सकता है, जहां हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

तापमान में होगा उतार-चढ़ाव

उत्तर-पश्चिम भारत में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है। इसके बाद अगले दो दिनों में तापमान में धीरे-धीरे 2 से 4 डिग्री की गिरावट आने की संभावना है। वहीं, उसके बाद अगले चार दिनों में फिर से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है।

सेंट्रल इंडिया की बात करें तो यहां न्यूनतम तापमान में पहले 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है। इसके बाद अगले दो दिनों में 3 से 4 डिग्री की गिरावट और फिर अगले दो दिनों में 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी का अनुमान है। इसके बाद तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं जताई गई है।

26 जनवरी पर देश को दहलाने की साजिश, बॉर्डर इलाकों में तगड़ी की गई सुरक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। 26 जनवरी 2026 को भारत अपना 77वां गणतंत्र दिवस बनाने जा रहा है, जिसको लेकर पूरे भारत में तैयारियां जोरों पर हैं। इस खास मौके पर आतंकी संगठन भारत में अपना आतंक मचाने की फिराक में हैं, जिसको देखते हुए सुरक्षा एजेंसियों ने अलर्ट जारी किया है। सुरक्षा एजेंसियों ने बॉर्डर इलाको पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिए हैं।

जिसके बाद बॉर्डर इलाकों में ड्रोन गतिविधि पर खास नजर रखी जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों ने ड्रोन के जरिए हथियार और विस्फोटक भेजे जाने की आशंका जताई है। ये अलर्ट पंजाब, जम्मू-कश्मीर और राजस्थान के बॉर्डर पर जारी किया गया है। जहां पिछले कुछ दिनों में ड्रोन हमले का अलर्ट जारी किया गया है। आशंका है कि आतंकी अब सीमा पार करने के लिए नए-नए तरीकों का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें ड्रोन के अलावा पैरा-ग्लाइडर और हैंग-ग्लाइडर का भी इस्तेमाल हो सकता है। लश्कर और सिख आतंकी संगठनों पर पैरा ग्लाइडर और बाकी उपकरण खरीदने का इनपुट मिला है। सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए है साथ ही हवाई निगरानी और सुरक्षा इंतजाम और सख्त किए गए हैं। पिछले हफ्ते वायरल हुई मसूद अजहर की एक कथित ऑडियो में दावा किया गया था कि हजारों की तादाद में लड़ाके और फिदायीन भारत में लांच होने के लिए तैयार है। मसूद अजहर ने कहा था कि उसके पास रोज लड़ाके आते हैं और गुजारिश करते हैं कि भारत में जाने के लिए पहला नंबर उनका लगा दें।

एसआईआर में बेटियों का नाम कटने पर भड़कीं राजा भैया की पत्नी भानवी, सीएम योगी को पत्र लिखकर कहा-पुरुषों के नाम सुरक्षित, क्या ये सही?

आर्यावर्त संवाददाता

कुंडा। उत्तर प्रदेश की कुंडा विधानसभा सीट से विधायक राजा भैया और उनकी पत्नी के बीच विवाद चल रहा है। यह मामला इस समय कोर्ट में है और सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दिनों इ मामले को 4 महीने के भीतर खत्म करने का आदेश दिया था। अब भानवी सिंह ने अपने पति राजा भैया पर एसआईआर के तहत वोटर लिस्ट से जानबूझकर नाम कटवाने का आरोप लगाया है।

भानवी कुमारी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित खुला पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि उनका और उनकी दो बेटियों राघवी कुमारी और विजय राजेश्वरी कुमारी का नाम जानबूझकर दबाव में मतदाता सूची से काट दिया गया है। इसके साथ ही भानवी ने उनका और बच्चियों का दोबारा नाम जोड़ने की अपील की है।

भानवी सिंह ने अपने पत्र में क्या लिखा?

माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी/चुनाव आयोग मुख्यमंत्री आपने सार्वजनिक रूप से स्पष्ट कहा था कि किसी भी पात्र नागरिक का नाम वोटर लिस्ट से नहीं कटेगा। इसी भरोसे के साथ आज मैं यह खुला पत्र लिख रही हूं, क्योंकि आपके इस कथन के बावजूद मेरा और मेरी दो बेटियों, राघवी कुमारी एवं विजयराजेश्वरी कुमारी का नाम दबाव में अधिकारियों द्वारा जानबूझकर मतदाता सूची से काट दिया गया है। यह ऐसा निर्णय है जो खुली आँखों से दिखने वाला पक्षपात प्रतीत होता है। भाानवी ने सीएम योगी से कई मांगें भी की हैं। उन्होंने लिखा कि मैं स्पष्ट रूप से तथ्यों को आपके संज्ञान में रखना चाहती हूं

मेरा नाम SIR के बाद वर्ष 2003 की मतदाता सूची में विधिवत दर्ज था। सभी प्रमाण संलग्न कर रही हूं।

वर्ष 2025 की मतदाता सूची में भी मेरा नाम मौजूद था।

इसके बावजूद बिना किसी पूर्व सूचना, बिना आपत्ति दर्ज कराने का अवसर दिए, मेरा (भानवी कुमारी) और मेरी बेटियों राघवी और विजय राजेश्वरी) का नाम वोटर लिस्ट से काट दिया गया।

इस पूरी प्रक्रिया में न तो पारदर्शिता का पालन किया गया, न ही विधिसम्मत सत्यापन की प्रक्रिया पूरी की गई।

भानवी ने आगे कहा कि यह सर्वविदित है कि मैं भदरी, बेंती परिवार की बहू हूं। रघुराज प्रताप सिंह मेरे पति हैं और पारिवारिक विवाद के बावजूद मेरा और मेरी बेटियों का परिवार और घर सामाजिक, कानूनी हर दृष्टि से, बेंती कुंडा प्रतापगढ़ ही है। मैं और मेरी बेटियां यहां की स्थायी निवासी और मतदाता रही हैं। इसके बावजूद हमारे लोकतांत्रिक अधिकार को छीनने का यह प्रयास न केवल पीड़ादायक है, बल्कि चिंताजनक भी है।

चुनाव आयोग और सीएम योगी से भानवी की मांग

राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल मेरे लोकतांत्रिक अधिकारों के हनन के लिए न किया जाये मेरा एवं मेरी बेटियों का नाम तत्काल प्रभाव से मतदाता सूची में पुनः जोड़ा जाए।
यह स्पष्ट किया जाए कि किस अधिकारी द्वारा और किस आधार पर , किसके दबाव में हमारा नाम काटा गया।
संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसी भी नागरिक के साथ ऐसा अन्याय न हो।
यह पत्र केवल मेरे परिवार की पीड़ा नहीं है, बल्कि यह सवाल है कि क्या इस देश में नागरिक का मताधिकार सुरक्षित है या नहीं? मैं और मेरी बेटियां आज भी अपने अधिकार की प्रतीक्षा में हैं और इस देश का लोकतंत्र भी इंतज़ार कर रहा हैं। पत्र में कहा गया है कि यह मामला केवल एक परिवार की पीड़ा नहीं बल्कि मताधिकार की सुरक्षा से जुड़ा सवाल है।

भानवी ने पूछे सीएम योगी से सवाल

भानवी सिंह ने कहा कि मेरा सवाल सीधा और स्पष्ट है।जब आपने स्वयं कहा था कि किसी का नाम नहीं कटेगा, तो अधिकारी किसकी शह पर इस तरह का मनमाना काम कर रहे हैं?

क्या यह खुला पक्षपात नहीं है?

क्या एक ही परिवार में पुरुषों का नाम सुरक्षित रखते हुए महिलाओं का नाम काटा जाना न्यायसंगत है? यदि इसी प्रकार मतदाता सूची बनाई जाएगी, तो क्या हम एक निष्पक्ष लोकतांत्रिक व्यवस्था की उम्मीद कर सकते हैं? क्या लोकतंत्र उन अधिकारियों के भरोसे छोड़ा जा सकता है जो जमीनी सच्चाई के बजाय पक्षपात, दबाव या मनमाने निर्णय के आधार पर यह तय करें कि कौन मतदाता है और कौन नहीं? मुख्यमंत्री और माननीय चुनाव आयुक्त कृपया आप प्रतापगढ़ में किसी भी व्यक्ति से पूछ लें हर कोई बताएगा कि यह एक स्पष्ट अन्याय है, जिसे समझने के लिए किसी जांच की भी आवश्यकता नहीं है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर रक्तदान शिविर का आयोजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। आज़ाद समाज सेवा समिति द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वी जयंती के अवसर पर मेडिकल कॉलेज स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन कर संस्था के 48 पदाधिकारियों द्वारा रक्तदान महादान कर नेताजी सुभाष चंद्र बोस को अपनी श्रदांजलि अर्पित की। रक्तदान शिविर का सुभारंम्भ वरिष्ठ समाजसेवी करतार केशव यादव द्वारा मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉक्टर शलिल श्रीवास्तव मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ आर. के मिश्रा ब्लड बैंक प्रभारी डॉक्टर संजय सिंह वरिष्ठ चिकित्सक एस. के गोयल की उपस्थिति में किया गया तथा उपरोक्त अतिथियों द्वारा रक्तदानियों को प्रशस्ति पत्र भी वितरित किया गया। कार्यक्रम में रक्तदानियों का उत्साह वर्धन करने हेतु संस्था संस्थापक व राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी करतार केशव यादव ने कहा कि देश को आज़ाद कराने वाले वीर सपूतों की स्मृति में रक्तदान जैसे कार्यक्रम का जो आयोजन आज़ाद समाज सेवा समिति द्वारा किया गया है जिसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर सलिल श्रीवास्तव ने कहा कि रक्तदान दुनिया का सबसे बड़ा दान कहा जाता है क्योंकि रक्तदान करने से रक्तदानी को किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होता बल्कि वह स्वस्थ रहता है और दूसरी तरफ जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहे मरीज की जान बचाई जाती है। संस्था अध्यक्ष अशोक सिंह ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस देश के ऐसे वीर महान सपूत थे जिन्होंने देश को आज़ाद कराने के लिए अपना सबकुछ न्योछावर कर दिया हमें उनके सपनों को पूरा करने के लिए देश मे एकता और अखंडता बनाये रखना ही इस महान सपूत को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। रक्तदानियों में प्रमुख रूप से मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर राघवेंद्र सोनकर, डॉक्टर मनीष श्रीवास्तव, डॉक्टर नीरज सिंह,डॉक्टर एस. के तिवारी, रजनी सिंह, विनय सिंह, मोईदअहमद, शरदत्रिपाठी, शुशीलत्रिपाठी, प्रवीण, श्यामशंकर, पवन शर्मा, जितेंद्र सिंह, कुलदीप कुमार,अमित शर्मा, रंजीत कुमार सहित कुल 48 लोगों ने रक्तदान महादान कर नेताजी को अपनी सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था उपाध्यक्ष बब्लू सिंह प्रधान, ओम प्रकाश गौड़, मयंक पांडेय, आलोक निषाद, विनोद पांडेय, मकसूद अंसारी, विक्रम जायसवाल, दीपक सिंह, शमशाद अहमद, अरविंद यादव आदि का सराहनीय योगदान रहा।

इमाम हुसैन के जन्मदिवस पर वितरण किया गया फल, मिठाई

बधुआंकलां/सुलतानपुर। हज़रत इमाम हुसैन के जन्मदिवस के अवसर पर बधुआंकलां में स्टाल लगा कर फल, मिठाई, बिसलरी पानी, चॉकलेट आदि वितरित करते हुए एक दूसरों को मुबारकबाद दी गई। इस दौरान हजारों लोगो ने इमाम हुसैन (अ. स.) को उनके जन्मदिवस पर याद किया। खादिम अब्बास ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी इमाम हुसैन के जन्मदिन पर शुक्रवार को निःशुल्क मिठाई फल पानी व चॉकलेट आदि वितरण किया गया। उन्होंने कहा कि इमाम हुसैन इंसानियत के मसीहा हैं जिनका पूरी दुनिया के हर कौम, धर्म के लोग सम्मान करते हैं। मौलाना फकीह हैदर ने कहा कि ये कैपेन इमाम हुसैन की याद में है जो करोड़ों इंसानों के लिए गरिमा, शांति और बुनियादी मानवाधिकारों के साथ रहने के लिए प्रेरणा स्रोत है। इमाम हुसैन के संदेश को जन-जन तक पहुचाने की जरूरत है।

नोएडा के शिव नादर स्कूल को फिर बम से उड़ाने की धमकी, मेल भेजने वाले की तलाश में पुलिस

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। नोएडा के शिव नादर स्कूल को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल आया है। सुबह स्कूल खुलते ही जैसे ही यह ईमेल प्राप्त हुआ, उसके बाद स्कूल प्रशासन ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पुलिस, डॉग स्क्वायड टीम और अन्य सुरक्षा जांच टीमें पहुंचीं और स्कूल में सर्च अभियान चलाया गया। एहतियात के तौर पर सभी बच्चों को घर वापस भेज दिया गया और उनके परिवार वालों को इसकी जानकारी दी गई।

ईमेल की सूचना मिलते ही तुरंत आला अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। एहतियात के तौर पर परिजनों को सूचना देकर सभी बच्चों को स्कूल से वापस घर भेज दिया गया। इसके बाद पुलिस, डॉग स्क्वायड टीम और अन्य सुरक्षा जांच एजेंसियों ने स्कूल में सर्च अभियान चलाया। करीब एक घंटे चले इस सर्च अभियान में पुलिस को कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

इस घटना के बाद बच्चों के अभिभावकों में नाराजगी देखी जा रही है। उनका कहना है कि हर दो-तीन महीने में इस तरह की धमकी भरी सूचनाएं सामने आती रहती हैं, लेकिन न तो आज तक कोई आरोपी पकड़ा गया है और न ही पुलिस ने ईमेल भेजने वाले किसी अराजक तत्व के खिलाफ ठोस कार्रवाई की है। लगातार धमकी भरे ईमेल से बच्चों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

ईमेल भेजने वाले की तलाश जारी

नोएडा के ज्वाइंट सीपी राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि स्कूल को मिले ईमेल के आधार पर तुरंत जांच एजेंसियां मौके पर पहुंचीं और जांच-पड़ताल शुरू की गई है। हालांकि अभी तक स्कूल से कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। हमारी इंटेलिजेंस टीम यह पता लगाने की पूरी कोशिश कर रही है कि आखिर यह मेल किसके द्वारा भेजा गया है और इसके पीछे किसी अराजक तत्व की साजिश है या नहीं। बच्चों की सुरक्षा को लेकर किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

स्कूल प्रशासन ने नहीं लिया संज्ञान

इस पूरे मामले में सबसे अहम सवाल यह है कि शिव नादर स्कूल को यह दूसरी बार धमकी भरा ईमेल मिला है, लेकिन अब तक स्कूल प्रबंधन की ओर से न तो स्कूल की ईमेल आईडी बदली गई है और न ही इस मामले में कोई गहन आंतरिक जांच की गई है। छात्रों के अभिभावकों का कहना है कि स्कूल प्रबंधन भी लापरवाह रवैया अपना रहा है। यदि एक ही ईमेल आईडी पर बार-बार धमकी भरे ईमेल आ रहे हैं, तो स्कूल को अपनी ईमेल आईडी बदलनी चाहिए और सुरक्षा से जुड़े सभी पहलुओं पर गंभीर जांच करनी चाहिए, ताकि बच्चों की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता न हो।

'नामर्द है वो, जेल से बाहर आते ही...', गाजियाबाद में पति की जीभ काटने वाली पत्नी को नहीं कोई पछतावा, कही ये बड़ी बात

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित मोदीनगर से एक खौफनाक और शर्मनाक वारदात सामने आई है। यहां एक पत्नी ने घरेलू विवाद और निजी रंजिश के चलते अपने पति की जीभ दांतों से काटकर अलग कर दी। आरोपी महिला ईशा को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, लेकिन जेल जाते समय उसके तेवर और खुलासे पुलिस के लिए भी चौंकाने वाले रहे। घटना मोदीनगर की संजयपुरी कॉलोनी की है।

सब्जी विक्रेता राम अवतार का बेटा विपिन (26) एक फैक्ट्री में काम करता है। उसकी शादी मई 2025 में मेरठ की रहने वाली ईशा से हुई थी। शादी के महज 7 महीने बाद ही 19 जनवरी की रात करीब 1 बजे ईशा ने कमरे में झगड़े के दौरान विपिन की जीभ काटकर उसे लहूलुहान कर दिया। विपिन को गंभीर हालत में मेरठ के सुभराती अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार, सर्जरी के बावजूद विपिन के दोबारा सामान्य रूप से बोलने की संभावना बेहद कम है।

ईशा ने पति को नामर्द बताया

पुलिस हिरासत में ईशा ने अपने किए पर पछतावा जताना तो दूर, उल्टा पति और ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगा डाले। बोली- मेरा पति नामर्द था, उसने मेरी जिंदगी बर्बाद कर दी। मैंने शादी के वक्त ही मना किया था कि मुझे यह लड़का पसंद नहीं है, लेकिन घरवालों ने जबरदस्ती शादी करा दी। विपिन शराब पीकर शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश करता था और मुझ पर शक करता था। ईशा ने यह भी स्वीकार किया कि शादी के बाद भी वह मेरठ में अपने पुराने बॉयफ्रेंड के संपर्क में थी और अक्सर उससे मिलती थी। उसने कहा कि वह अपनी शर्तों पर जिंदगी जीना चाहती है और जेल से बाहर आकर अपने प्रेमी के साथ ही रहेगी।

सोशल मीडिया और रील बनी विवाद की जड़

पूछताछ में यह बात भी सामने आई कि विवाद की एक बड़ी वजह सोशल मीडिया थी। ईशा को इंस्टाग्राम पर रील (Reels) बनाना और फेसबुक चलाना पसंद था, जिसका विपिन विरोध करता था। वो ईशा का फोन चेक करता था और उसे रील बनाने से मना करता था, जिसे लेकर दोनों के बीच अक्सर गाली-गलौज और मारपीट होती थी।

सास का आरोप- बॉयफ्रेंड के लिए रची साजिश

वहीं, विपिन की मां गीता और पिता राम अवतार का कहना है कि ईशा शुरू से ही उनके बेटे को नापसंद करती थी। वो कहती थी कि विपिन उसे हाथ न लगाए। ससुराल वालों के अनुसार, ईशा अधिकतर समय अपने मायके में रहती थी और जब भी विपिन उसे लेने जाता, वो आने से मना कर देती थी। 19 जनवरी की रात हुए झगड़े के बाद ईशा ने क्रूरता की सारी हदें पार कर दीं।

जेल जाते वक्त भी नहीं था पछतावा

बुधवार सुबह जब पुलिस ईशा को कोर्ट में पेश करने ले जा रही थी, तब उसने पुलिसकर्मियों से पूछा- क्या मैं 10 दिन में बाहर आ जाऊंगी? मैंने पति पर हमला थोड़े ही किया है, सिर्फ जीभ ही तो काटी है। ईशा ने यह भी धमकी दी कि वह बाहर आकर ससुराल वालों पर दहेज उत्पीड़न और अप्राकृतिक संबंधों का केस दर्ज कराएगी।

पुलिस की कार्रवाई

मोदीनगर थाना प्रभारी (SHO) आनंद प्रकाश ने बताया कि आरोपी महिला के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और अस्पताल में भर्ती विपिन के बयान दर्ज करने की कोशिश की जा रही है।

बसंत पंचमी पर 'विद्यारंभ संस्कार' आयोजन, 51 नन्हे बच्चों ने की शिक्षा की शुरुआत

आर्यावर्त संवाददाता

जयसिंहपुर / सुल्तानपुर। जयसिंहपुर के सरोजपुरम राघवपुर स्थित अनारकली युग निर्माण इंटरमीडिएट कॉलेज में बसंत पंचमी के पावन अवसर पर शुक्रवार को सामाजिक व शैक्षिक महत्व का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान "विद्यारंभ संस्कार" के अंतर्गत 51 नन्हे बच्चों को शिक्षा और संस्कारों की औपचारिक शुरुआत कराई गई।

कार्यक्रम में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए विशेष रूप से विद्यारंभ संस्कार का आयोजन किया गया। कॉलेज परिसर में हवन-पूजन के साथ सरस्वती वंदना की गई। प्रबंधक, प्रधानाचार्या, शिक्षक-शिक्षिकाओं और बच्चों ने सामूहिक रूप से धार्मिक अनुष्ठान में सहभागिता की। इस अवसर पर बच्चों को भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और शिक्षा के प्रारंभिक संस्कारों से परिचित कराया गया। संस्थान प्रबंधन का कहना रहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में शुरू से ही संस्कार, अनुशासन और शिक्षा के प्रति रुचि विकसित करना है, ताकि उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके।

कार्यक्रम में प्रबंधक राममूर्ति मिश्र, प्रधानाचार्या रेखा मिश्र, शिक्षक संतोष मिश्र के साथ शिक्षिकाएं सीमा साहू, रंजना पाण्डेय, शोभनाथ सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। सभी ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया और ऐसे आयोजनों को समाज के लिए आवश्यक बताया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावकों की भी सक्रिय भागीदारी रही। उन्होंने कालेज के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। अंत में अतिथियों ने कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बच्चों के सफल जीवन की कामना की।

1515 रुपए में पूरा होगा 594 किमी. का सफर, गंगा एक्सप्रेसवे का इंतजार कब होगा खत्म

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। उत्तर प्रदेश जल्द ही अपने इतिहास के सबसे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में से एक को आम जनता के लिए खोलने जा रहा है। मेरठ से प्रयागराज तक बनने वाला 594 किलोमीटर लंबा गंगा एक्सप्रेसवे अब लगभग पूरी तरह तैयार हो चुका है। यह सिर्फ एक सड़क नहीं, बल्कि राज्य की आर्थिक, सामाजिक और भौगोलिक दूरी को कम करने वाला एक नया अध्याय है। पश्चिमी यूपी से लेकर पूर्वी यूपी तक की यात्रा अब पहले से कहीं ज्यादा आसान, तेज और सुरक्षित होने जा रही है। अब तक जहां मेरठ से प्रयागराज पहुंचने में कई घंटे लगते थे और रास्ते में ट्रैफिक, जाम और खराब सड़कों की परेशानी झेलनी पड़ती थी, वहीं गंगा एक्सप्रेसवे इस अनुभव को पूरी तरह बदलने वाला है। यह एक्सप्रेसवे यूपी के विकास की रीढ़ बनने की क्षमता रखता है। गंगा एक्सप्रेसवे की कुल लंबाई करीब 594 किलोमीटर है, जो इसे देश का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे बनाता है। ये

एक्सप्रेसवे मेरठ से शुरू होकर प्रयागराज तक जाता है और रास्ते में कई प्रमुख जिलों को जोड़ता है। इस एक्सप्रेसवे का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के बीच की दूरी को केवल किलोमीटर में ही नहीं, बल्कि समय और अवसरों में भी कम कर देता है। यह एक्सप्रेसवे उन लोगों के लिए फायदेमंद साबित होगा जो व्यापार, शिक्षा, नौकरी, इलाज या धार्मिक यात्रा के लिए इन दोनों जगहों के बीच नियमित सफर करते हैं। खासतौर पर दिल्ली-एनसीआर से प्रयागराज, वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों में जाने वालों के लिए यह मार्ग सबसे पसंदीदा विकल्प बनने जा रहा है।

एक्सप्रेस वे से जेब पर कितना पड़ेगा असर

सबसे ज्यादा चर्चा का विषय यही है कि इस एक्सप्रेसवे पर सफर करने के लिए टोल कितना देना होगा। जारी की गई प्रस्तावित सूची के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति कार या जीप से मेरठ से प्रयागराज तक जाता है, तो उसे लगभग 1515 रुपये टोल देना पड़ सकता है। यदि वही व्यक्ति आने-जाने यानी राउंड ट्रिप करता है, तो कुल टोल करीब 3030 रुपये हो सकता है। टोल की राशि वाहन के प्रकार और तय दूरी के अनुसार अलग-अलग होगी। भारी वाहनों के लिए टोल अधिक होगा, जबकि दोपहिया और हल्के वाहनों के लिए कम। हालांकि सरकार का दावा है कि इस एक्सप्रेस वे से समय, ईंधन तो बचेगा ही, मानसिक थकान भी कम होगी। ऐसे में यह टोल काफी संतुलित माना जा रहा है।

गंगा एक्सप्रेसवे पर कब दौड़ेंगे वाहन

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गंगा एक्सप्रेसवे को अगले महीने आम जनता के लिए खोलने की तैयारी है। संभावना जताई जा रही है कि फरवरी के दूसरे सप्ताह में इसका उद्घाटन किया जा सकता है। हालांकि, अभी तक सरकार की ओर से आधिकारिक तारीख की घोषणा नहीं हुई है। लेकिन जिस तरह से ट्रायल रन, सुरक्षा परीक्षण और तकनीकी जांच पूरी हो चुकी है, उससे यह साफ है कि उद्घाटन अब ज्यादा दूर नहीं है। उद्घाटन के साथ ही यह एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश की सड़क व्यवस्था में एक नई क्रांति लेकर आएगा।

कहां-कहां बने हैं टोल प्लाजा

गंगा एक्सप्रेसवे पर कई महत्वपूर्ण स्थानों पर टोल प्लाजा बनाए गए हैं। इसमें मेरठ सर्किल में सिंभाली दिल्ली-मुरादाबाद रोड, सदरपुर-गढ़-बुलंदशहर रोड, संभल-अनूपशहर रोड और हसनपुर से अलीगढ़ रोड पर टोल प्लाजा स्थित हैं। इसके अलावा चंदौसी से अलीगढ़ रोड पर भी एक टोल प्लाजा बनाया गया है। इन सभी टोल प्लाजा पर फास्टैग सिस्टम पूरी तरह लागू रहेगा। इससे यह सुनिश्चित किया जाएगा कि ट्रैफिक सुचारु रूप से चलता रहे और किसी भी स्थान पर लंबा जाम न लगे।

अभी 10 से 12 घंटे में पूरा होता था सफर

गंगा एक्सप्रेसवे शुरू होने के बाद मेरठ से प्रयागराज की यात्रा में लगने वाला समय काफी कम हो जाएगा। जहां पहले यह सफर 10 से 12 घंटे तक का हो सकता था, वहीं अब यह दूरी लगभग आधे समय में तय की जा सकेगी। इससे न केवल यात्रियों को राहत मिलेगी, बल्कि व्यापारिक गतिविधियों को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा। ट्रांसपोर्टर्स, व्यापारी, किसान और उद्योगपति सभी इस एक्सप्रेसवे से सीधे लाभान्वित होंगे। गंगा एक्सप्रेसवे सिर्फ यात्रा को आसान नहीं बनाएगा, बल्कि यह पूरे क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी गति देगा। इसके आसपास नए औद्योगिक क्षेत्र, वेयरहाउस, लॉजिस्टिक हब, होटल, ढाबे और सर्विस सेंटर विकसित होंगे। इससे हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। पर्यटन के लिहाज से भी यह एक्सप्रेसवे बेहद महत्वपूर्ण है। प्रयागराज, वाराणसी, काशी, संगम, ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों तक पहुंच अब और सरल हो जाएगी। इससे देश-विदेश के पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

सुरक्षा और मजबूती पर दिया गया खास ध्यान

गंगा एक्सप्रेसवे को केवल लंबा ही नहीं, बल्कि बेहद मजबूत और सुरक्षित भी बनाया गया है। इस एक्सप्रेसवे पर 7 रोड ओवरब्रिज, 17 इंटरचेंज, 14 बड़े पुल, 126 छोटे पुल, 28 फ्लाईओवर, 50 वाहन अंडरपास, 171 हल्के वाहन अंडरपास और 160 छोटे वाहन अंडरपास बनाए गए हैं। इन सभी संरचनाओं को इस तरह डिजाइन किया गया है कि भारी ट्रैफिक, बारिश, बाढ़ और समय की मार को आसानी से सहन कर सकें। इसके अलावा, एक्सप्रेसवे पर आधुनिक संकेतक, रिफ्लेक्टिव मार्किंग, इमरजेंसी लेन और सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। यह एक्सप्रेसवे 140 से ज्यादा जल स्रोतों के ऊपर से होकर गुजरता है। इन स्थानों पर विशेष तकनीक का इस्तेमाल कर पुल और संरचनाएं बनाई गई हैं ताकि पर्यावरण को कम से कम नुकसान पहुंचे और जल प्रवाह बाधित न हो। डिजाइन में इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि बारिश या बाढ़ की स्थिति में भी एक्सप्रेसवे सुरक्षित रहे और यातायात बाधित न हो।

अत्याधुनिक टोल सिस्टम और फास्टैग सुविधा

गंगा एक्सप्रेसवे को तकनीकी रूप से भी बेहद आधुनिक बनाया गया है। यहां पूरी तरह फास्टैग आधारित टोल सिस्टम लागू किया गया है। इसका मतलब यह है कि वाहन चालकों को टोल बूथ पर रुकने की जरूरत नहीं पड़ेगी। कैमरे 100 मीटर दूर से ही फास्टैग स्कैन कर लेंगे और टोल अपने आप कट जाएगा। ट्रायल के दौरान देखा गया कि टोल बैरियर सिर्फ 1 से 1।5 सेकंड में खुल जाता है और गाड़ी बिना ब्रेक लगाए आगे निकल जाती है। इससे न केवल समय बचेगा, बल्कि जाम की समस्या भी लगभग खत्म हो जाएगी। यह सिस्टम खासतौर पर उन लोगों के लिए राहत भरा होगा जो लंबी दूरी की यात्रा करते हैं और बार-बार रुकने से परेशान रहते हैं।

कौशल क्रांति को मिलेगा नया आयाम, एक लाख युवाओं को मिलेगा रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा और उद्यमिता को नई गति देने के उद्देश्य से नोएडा परिधान निर्यात क्लस्टर और राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। एमओयू के तहत आगामी पांच वर्षों में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 18 जिलों के 128 विकास खंडों और 10,323 गांवों से जुड़े एक लाख युवाओं को 28 विभिन्न क्षेत्रों में अल्पकालिक, रोजगारोन्मुख कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद लगभग 70 हजार युवाओं को औद्योगिक इकाइयों में रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। इस पहल की एक प्रमुख विशेषता यह है कि कुल प्रशिक्षुओं में 50 प्रतिशत महिलाएं होंगी, जिससे महिला सशक्तिकरण को नई मजबूती मिलेगी। देश के अग्रणी परिधान निर्यात क्लस्टरों में शामिल एनएईसी, उद्योग की जरूरतों के अनुरूप विशेषकर गारमेंट एवं संबद्ध क्षेत्रों में प्रशिक्षण उपलब्ध कराएगा।

प्रशिक्षण से लेकर प्लेसमेंट तक की पूरी प्रक्रिया एनएईसी के डिजिटल पोर्टल 'कौशल गंगा' के माध्यम से संचालित की जाएगी। इसके साथ ही 'कौशल आजीविका' और 'कौशल बाजार' पोर्टल प्रशिक्षुओं को आजीविका और बाजार से जोड़ने में सहायक होंगे। इस सहयोग में राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद की अहम भूमिका होगी।

भारत सरकार के राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) से मान्यता प्राप्त एससीवीटी प्रशिक्षुओं के मूल्यांकन और प्रमाणन का कार्य करेगी। एमओयू के तहत एनएईसी द्वारा प्रति प्रशिक्षु 1,200 रुपये प्रमाणन शुल्क एससीवीटी को दिया जाएगा। साथ ही एससीवीटी स्वयं स्तर पर पाठ्यक्रम विकसित कर उन्हें राष्ट्रीय परिषद से अनुमोदित भी कराएगी।

व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि योगी सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश का हर युवा कुशल बने और उसे रोजगार के लिए भटकना न पड़े। उन्होंने कहा कि एनएईसी और एससीवीटी के बीच यह एमओयू उद्योग और शिक्षा के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करेगा।

एमओयू पर हस्ताक्षर के अवसर पर व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमिता विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. हरि ओम तथा विशेष सचिव एवं निदेशक, एससीवीटी अभिषेक सिंह भी उपस्थित रहे। उन्होंने इस पहल को प्रदेश की कौशल नीति के क्रियान्वयन की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया।

पीएम स्वनिधि योजना के तहत लखनऊ में क्रेडिट कार्ड आवेदन और लंबित ऋण वितरण कार्यक्रम आयोजित

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम के राजकुमार कमेटी हाल में शुक्रवार को पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत क्रेडिट कार्ड आवेदन और लंबित ऋण के वितरण के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महापौर सुषमा खर्कवाल ने योजना के लाभार्थियों को स्वीकृत ऋण वितरण प्रमाण पत्र प्रदान किए।कार्यक्रम नगर आयुक्त गौरव कुमार की उपस्थिति में संपन्न हुआ, जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधि और विभिन्न स्टेकहोल्डर वर्चुअल माध्यम से जुड़े। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी वर्चुअल रूप से कार्यक्रम से जुड़े और अपने संदेश के माध्यम से लाभार्थियों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया।नगर आयुक्त गौरव कुमार ने कहा कि पीएम स्वनिधि योजना के तहत ऋण वितरण से लाभार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि नगर निगम की ओर से सभी आवश्यक सुविधाएं और सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे लाभार्थी अपने व्यवसाय को सफलतापूर्वक संचालित कर सकें।महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से लाभार्थियों को नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं। नगर निगम हर संभव सहयोग प्रदान करेगा, ताकि छोटे व्यवसायियों को आगे बढ़ने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो।कार्यक्रम के आयोजन के दौरान पार्षद दल के उप नेता सुशील कुमार तिवारी (पम्मी), पूर्व पार्षद पंकज पटेल, अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव, जोनल अधिकारी ओम प्रकाश सहित डूडा के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। नगर निगम लखनऊ के अंतर्गत सभी जोनों में भी इसी क्रम में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

युवा मोर्चा के क्षेत्रीय महामंत्री अखिल देव त्रिपाठी के निधन पर भाजपा नेताओं ने जताया शोक

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा, गोरखपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय महामंत्री अखिल देव त्रिपाठी के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश महामंत्री (संगठन) ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान मिले और शोकाकुल परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान हो।प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने लखनऊ स्थित मेदांता अस्पताल पहुंचकर दिवंगत अखिल देव त्रिपाठी के अंतिम दर्शन किए और शोक संतप्त परिजनों से भेंट कर उन्हें ढांढस बंधाया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दुःख की इस घड़ी में पूरा भारतीय जनता पार्टी परिवार शोकाकुल परिजनों के साथ खड़ा है।

रिश्वतखोरी पर ऊर्जा मंत्री सख्त, लाइनमैन बर्खास्त, जेई निलंबित

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने गुरुवार को लखनऊ स्थित अपने आवास पर आयोजित जनसुनवाई के दौरान विद्युत विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार के एक गंभीर मामले पर सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट संदेश दिया। इसका परिणाम यह रहा कि शुक्रवार को एक लाइनमैन की सेवा समाप्त कर दी गई, जबकि एक कनिष्ठ अभियंता को निलंबित किया गया। साथ ही दो अधिकारियों से स्पष्टीकरण भी मांगा गया है।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि प्रदेश में घूसखोरी, लापरवाही और जनता को परेशान करने वालों के लिए कोई स्थान नहीं है। जनसुनवाई के दौरान अमरोहा जनपद के नौगांव सादात निवासी शिकायतकर्ता मोहम्मद यूसा, पुत्र कासिम ने विद्युत संयोजन देने के नाम पर रिश्वत मांगे जाने और जानबूझकर कार्य में टालमटोल किए जाने की शिकायत रखी, जिसे मंत्री ने गंभीरता से लिया।मामले का संज्ञान लेते हुए ऊर्जा मंत्री ने तत्काल पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रवीश गुप्ता से फोन पर वार्ता की और दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। मंत्री के सख्त तेवरों और जीरो टॉलरेंस नीति का असर यह रहा कि विभाग ने बिना विलंब कार्रवाई करते हुए देर रात तक दोषियों पर निर्णय लिया।मंत्री के निर्देश पर कनिष्ठ अभियंता राजीव सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया, जबकि लाइनमैन अब्बास की सेवा समाप्त कर दी गई। इसके साथ ही एसडीओ रितेश प्रसाद और अधिशासी अभियंता राहुल निगम को नियम-10 के अंतर्गत स्पष्टीकरण जारी किया गया है। संतोषजनक उत्तर न मिलने की स्थिति में विभागीय कार्रवाई की संस्तुति की गई है।इस कार्रवाई को लेकर ऊर्जा मंत्री ने स्पष्ट कहा कि ऊर्जा विभाग जनता की सेवा के लिए है, न कि अवैध वसूली के लिए। उन्होंने कहा कि जो भी अधिकारी या कर्मचारी अपने पद का दुरुपयोग कर आम नागरिकों को परेशान करेगा, उसके खिलाफ बिना किसी दबाव और भेदभाव के कठोर कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने आगे कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार की नीति पूरी तरह जीरो टॉलरेंस की है और जनसुनवाई के माध्यम से प्राप्त प्रत्येक शिकायत पर त्वरित और निर्णायक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। शासन की मंशा के विपरीत कार्य करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और आगे भी ऐसी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

ऊर्जा मंत्री ए .के . शर्मा ने विद्युत विभाग में भ्रष्टाचार पर सख्त कार्रवाई की

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने गुरुवार को लखनऊ स्थित अपने आवास पर आयोजित जनसुनवाई के दौरान विद्युत विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार के गंभीर मामले पर कड़ा रुख अपनाया। शिकायत के तुरंत बाद शुक्रवार को एक लाइनमैन की सेवा समाप्त कर दी गई और कनिष्ठ अभियंता (जेई) को निलंबित किया गया, जबकि दो अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा गया।मंत्री ने कहा कि प्रदेश में घूसखोरी, लापरवाही और जनता को परेशान करने वालों के लिए कोई जगह नहीं है। जनसुनवाई के दौरान अमरोहा जनपद के नौगांव सादात निवासी मोहम्मद यूसा ने विद्युत संयोजन देने के नाम पर रिश्वत मांगने और जानबूझकर कार्य में विलंब किए जाने की शिकायत प्रस्तुत

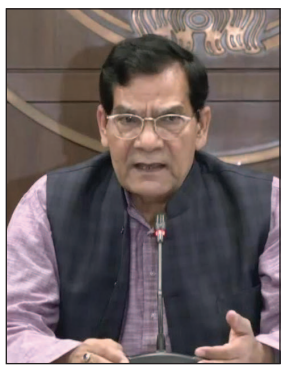

की, जिसे मंत्री ने गंभीरता से लिया।मंत्री श्री शर्मा ने मामले को संज्ञान में लेते हुए पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक से फोन पर वार्ता की और दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए। इसी के तहत जेई राजीव सिंह को तत्काल निलंबित किया गया और लाइनमैन अब्बास की सेवा समाप्त कर दी गई। एसडीओ रितेश प्रसाद और अधिशासी अभियंता राहुल निगम को नियम-10 के तहत स्पष्टीकरण जारी किया गया है, और संतोषजनक जवाब न मिलने की स्थिति में विभागीय कार्रवाई की जाएगी।ऊर्जा मंत्री ने स्पष्ट किया कि ऊर्जा विभाग जनता की सेवा के लिए है, न कि जनता से अवैध वसूली के लिए। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी नीति पूरी तरह जीरो टॉलरेंस की है और जनसुनवाई के माध्यम से आने वाली प्रत्येक शिकायत पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मंत्री ने अधिकारियों को चेतावनी दी कि शासन की मंशा के विपरीत कार्य करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और भविष्य में ऐसी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 23 जनवरी को महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 20 यूपी गर्ल्स बटालियन, 67 यूपी बटालियन नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) एवं खेल अनुभाग के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की।इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक एवं एसोसिएट एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट (डॉ.) मनोज कुमार डडवाल, इनचार्ज एसोसिएट एनसीसी अधिकारी डॉ. सूफिया अहमद तथा डॉ. जीवन सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।

गणतंत्र दिवस पर लखनऊ में यातायात डायवर्जन, 24 को रिहर्सल और 26 जनवरी को मुख्य परेड

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। गणतंत्र दिवस समारोह–2026 के अवसर पर 24 जनवरी को फुल ड्रेस रिहर्सल और 26 जनवरी को मुख्य परेड आयोजित की जाएगी। इसके मद्देनज़र दोनों तिथियों पर प्रातः 6 बजे से कार्यक्रम की समाप्ति तक शहर के कई प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रतिबंध और डायवर्जन लागू रहेगा।चारबाग रेलवे स्टेडियम, हजरतगंज, विधान सभा मार्ग, रॉयल होटल (बापू भवन), हुसैनगंज, परिवर्तन चौक, केडी सिंह बाबू स्टेडियम, कैसरबाग, लालबाग, बंदरियाबाग, गोल्फ क्लब और आसपास के क्षेत्रों में यातायात नियंत्रित रहेगा। चारबाग रेलवे स्टेशन के सामने का क्षेत्र परेड के लिए पूरी तरह बंद रहेगा, वहीं हजरतगंज और विधान सभा मार्ग पर 25 जनवरी की दोपहर से ही यातायात प्रतिबंध लागू कर दिए जाएंगे।महानगर, गोमतीनगर, निशातगंज, आलमबाग, सदर कैंट और कैसरबाग की ओर से आने वाले वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से डायवर्ट किया जाएगा। रोडवेज और सिटी बसों के मार्गों में भी परिवर्तन किया गया है। हजरतगंज बाजार, जनपथ मार्केट और डीएसओ क्षेत्र में सामान्य यातायात प्रतिबंधित रहेगा।अमौसी एयरपोर्ट, चारबाग रेलवे स्टेशन और बस अड्डे आने-जाने वाले यात्रियों से अपील की गई है कि वे प्रतिबंधित मार्गों से बचते हुए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। आपात स्थिति में एम्बुलेंस, फायर सर्विस, शव वाहन और स्कूली वाहनों के लिए विशेष व्यवस्था रहेगी।गणतंत्र दिवस परेड में आमंत्रित अतिथियों, विशिष्ट कार पासधारकों, मीडिया प्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के वाहनों के लिए विधानसभा, लोक भवन, कैपिटल तिराहा, जनपथ मार्केट और हजरतगंज की मल्टीलेवल पार्किंग में निर्धारित पार्किंग व्यवस्था की गई है।

स्वामी विवेकानंद व सुभाष चंद्र बोस के जीवन से प्रेरणा लेकर ही बनेगा समर्थ और सशक्त भारत : डॉ. सूर्यकान्त

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। सांस्कृतिक गौरव संस्थान (अवध प्रांत), लखनऊ ने शुक्रवार को "भावी भारत के निर्माण में स्वामी विवेकानंद एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस की भूमिका" विषय पर संभाषण प्रतियोगिता का भव्य एवं प्रेरणादायी आयोजन किया। यह कार्यक्रम बिरला ओपन माइंड इंटरनेशनल स्कूल, शहीद पथ, लखनऊ में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके उपरांत संभाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियों ने स्वामी विवेकानंद जी एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस के विचारों, आदर्शों तथा राष्ट्र-निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान को अत्यंत प्रभावशाली एवं आत्मविश्वासपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया तथा प्रतिभाग करने वाले अन्य 20 विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अपने प्रेरक संबोधन में केजीएमयू के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सूर्यकान्त ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भारत के युवाओं में आत्मविश्वास, चरित्र निर्माण एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना का संचार किया और युवा शक्ति को राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी बताया। उन्होंने स्वामी जी द्वारा 11 सितंबर 1893 को शिकागो में आयोजित विश्व धर्म सम्मेलन में दिए गए ऐतिहासिक भाषण का उल्लेख करते हुए कहा कि देश के प्रत्येक विद्यालय में इस भाषण के विषय में अवश्य पढ़ाया जाना चाहिए।

डॉ. सूर्यकान्त ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नेताजी अविभाज्य भारत के प्रथम प्रधानमंत्री थे, जिन्हें विश्व के नौ देशों द्वारा मान्यता प्राप्त थी। उनकी अस्थायी सरकार का अपना राष्ट्रीय ध्वज था तथा स्वतंत्र भारत की मुद्रा भी उस समय प्रचलन में थी, जो उनके सशक्त नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव का प्रमाण है।

उन्होंने यह भी कहा कि आज के भारत को स्वामी विवेकानंद के विचारों और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के अटूट संकल्प—दोनों से ही दिशा और शक्ति प्राप्त होती है। इसी कारण स्वामी विवेकानंद के जन्मदिवस 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस तथा सुभाष चंद्र बोस के जन्म दिवस 23 जनवरी को शौर्य दिवस के रूप में मनाया जाता है।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक चेतना, आत्मगौरव एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करना रहा, जिसमें यह आयोजन पूर्णतः सफल सिद्ध हुआ।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक गौरव संस्थान के हरिशरण मिश्रा (प्रांतीय उपाध्यक्ष), कृष्ण कुमार मिश्रा (प्रांतीय सचिव), प्रमेंद्र शुक्ला (खंड शिक्षा अधिकारी, जोन-3, लखनऊ), सी. डी. पांडेय (विद्यालय निदेशक), सुनील कपूर, शशी मिश्रा (प्रोफेसर, लखनऊ विश्वविद्यालय), उमेश पाटिल (प्रदेश अध्यक्ष, यूपी मराठी समाज), शशिकांत शुक्ला एवं रवीन्द्र कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की सफलता में बिरला ओपन माइंड इंटरनेशनल स्कूल, शहीद पथ की प्रधानाचार्या उजमा, शिक्षकगण एवं समस्त स्टाफ का योगदान अत्यंत सराहनीय रहा। सुव्यवस्थित मंच, अनुशासित वातावरण एवं विद्यार्थियों को प्रेरक मंच प्रदान कर विद्यालय प्रबंधन ने इस आयोजन को सफल एवं गरिमामय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंत में सांस्कृतिक गौरव संस्थान, अवध प्रांत की ओर से विद्यालय परिवार के प्रति हृदय से आभार एवं कृतज्ञता व्यक्त की गई।

संक्षेप

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को सात कालिदास मार्ग स्थित अपने कैंप कार्यालय में भारत माता के वीर सपूत, स्वतंत्रता संग्राम के अद्वितीय नायक और आज़ाद हिंद फ़ौज के संस्थापक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।इस अवसर पर उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि नेताजी ने "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा" जैसे ओजस्वी नारे के माध्यम से पूरे देशवासियों के हृदय में स्वतंत्रता की ज्योति प्रज्वलित की। उनका त्याग, साहस और बलिदान आज भी हम सभी को प्रेरणा देता है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जीवन देशभक्ति, अनुशासन और संघर्ष का प्रतीक है, जिसे आने वाली पीढ़ियां सदैव स्मरण रखेंगी।

गृहमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा के कड़े प्रबंध

लखनऊ। कल यानी 24 जनवरी 2026 को थाना ठाकुरगंज क्षेत्रान्तर्गत बसन्तकुंज आवासीय योजना स्थित "राष्ट्र प्रेरणा स्थल" पर यू.पी. दिवस-2026 का आयोजन प्रस्तावित है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गृहमंत्री, भारत सरकार शामिल होंगे। इस अवसर पर राज्यपाल, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मंत्री एवं विधायकगण सहित लगभग 10,000 आमंत्रित जन भाग लेंगे।सुरक्षा के दृष्टिगत कार्यक्रम स्थल और आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों को सुपर जोन, जोन और सेक्टर में विभाजित किया गया है। इसके लिए वरिष्ठ अधिकारियों, निरीक्षकों, उप-निरीक्षकों, मुख्य आरक्षियों और अतिरिक्त बल के साथ पीएसी, आरएएफ, बम निरोधक दस्ते, एंटी-माइन एवं एंटी-सैबोटाज टीमें, एटीएस और एनएसजी समेत होमगार्ड एवं इंटेलिजेंस टीमों की तैनाती की गई है। सुरक्षा तैयारियों के अंतर्गत संयुक्त ब्रीफिंग और मॉक-ड्रिल संपन्न की गई, रूट रिहर्सल और मेडिकल रिस्पांस भी सुनिश्चित की गई है। पूरे क्षेत्र की निगरानी 24×7 सीसीटीवी कैमरों से की जाएगी, और सोशल मीडिया पर भी सतत नजर रखी जाएगी। लखनऊ पुलिस ने जनता से अपील की है कि वे सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करें और पुलिस द्वारा समय-समय पर जारी यातायात डायवर्जन और निर्देशों का पालन करें, ताकि कार्यक्रम सुरक्षित, सुव्यवस्थित और गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

चंद्र नगर पार्किंग क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने का अभियान

लखनऊ। नगर निगम जोन-05 के तहत चंद्र नगर भुमिगत पार्किंग के आस-पास, आलमबाग मेट्रो से अवैध चौराहे तक दोनों पटरियों पर किए गए अस्थायी अतिक्रमणों को हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान ठेला, ठेलिया, खुमचा, गुमटी और काउंटर जैसी अवैध संरचनाओं को हटाया गया।अतिक्रमणकारियों से अतिक्रमण और गंदगी के विरुद्ध कुल रु-9500 शमन शुल्क वसूला गया। अभियान में 14 ठेले, 5 गुमटी, 8 काउंटर हटाए गए, वहीं 1 लोहे का स्टूल, 3 प्लास्टिक क्रेट और 2 बोर्ड जब्त किए गए।अतिक्रमण अभियान जोनल अधिकारी जोन-05 विनीत कुमार सिंह के नेतृत्व में अधीक्षक समाजीत सिंह, जोनल सेनेटरी अधिकारी सचिन सक्सेना, राजस्व निरीक्षक विवेक मिश्रा, राजस्व निरीक्षक धीरेन्द्र प्रताप सिंह, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक सुभाष चौधरी, प्रवर्तन दल (296) और पुलिस बल की सहभागिता में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

लखनऊ: इंदिरा नहर के पास युवक की हत्या का मामला

लखनऊ। ग्राम गुलालखेड़ा, थाना नगराम के पास आज प्रातः लगभग 10:29 बजे एक युवक का शव इंदिरा नहर के विपरीत दिशा की पटरी किनारे ढलान पर मृत अवस्था में पाया गया।जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान ओम प्रकाश, पुत्र स्व0 रामहरख, उम्र लगभग 22 वर्ष, निवासी ग्राम गुलालखेड़ा, थाना नगराम के रूप में हुई है। मृतक मजदूरी का कार्य करता था। परिजनों के अनुसार वह 22 जनवरी की शाम लगभग 08:00 बजे घर से निकला था और लौटकर नहीं आया।घटना स्थल का निरीक्षण करते हुए पुलिस ने मृतक के सिर पर चोट के निशान और ईंट से प्रहार के स्पष्ट संकेत पाए, जिससे प्रथम दृष्टया यह हत्या का मामला प्रतीत होता है। फॉरेंसिक टीम द्वारा साक्ष्य संकलन और वैज्ञानिक जांच की जा रही है। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा और पोस्टमार्टम की विधिक कार्रवाई की जा रही है।अपर पुलिस उपायुक्त, दक्षिणी एवं सहायक पुलिस आयुक्त, मोहनलालगंज के नेतृत्व में तत्काल जांच टीम गठित की गई है। आसपास के लोगों से पूछताछ जारी है। पुलिस ने मृतक के परिजनों से वार्ता कर आवश्यक आश्वासन भी दिया है। पुलिस की प्रारंभिक जानकारी : क्षेत्र में कानून-व्यवस्था सामान्य बनी हुई है।

लखनऊ: रेलवे पुल के नीचे युवक का शव मिलने का मामला

लखनऊ। थाना कैंट क्षेत्र के पीछे स्थित रेलवे लोहे के पुल के नीचे नाले में आज दोपहर लगभग 15:00 बजे एक शव पड़ा हुआ पाया गया। पुलिस को मौके पर सूचना मिलने के बाद तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया। जांच के दौरान मृतक की पहचान आशीष कुमार, पुत्र अमरलाल, उम्र लगभग 34 वर्ष, निवासी भगवंत नगर, नीलमथा, थाना कैंट के रूप में हुई। यह शव पहले से पंजीकृत गुमशुदगी संख्या 02/26 से संबंधित था। परिजनों ने मौके पर आकर शव की पहचान की।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतक नशे का आदी था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा एवं पोस्टमार्टम की विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है। घटना की सभी पहलुओं पर जांच जारी है। क्षेत्र में शांति और कानून-व्यवस्था सामान्य बनी हुई है।

कैबिनेट मंत्री बेबीरानी मौर्या ने 12 मृतक सरकारी कर्मचारियों के आश्रितों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की कैबिनेट मंत्री, बाल विकास एवं पुष्टाहार श्रीमती बेबीरानी मौर्या ने आज अपने सरकारी आवास पर 12 मृतक सरकारी कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकम्पा आधार पर सरकारी सेवा में नियुक्ति पत्र प्रदान किए। यह नियुक्ति उत्तर प्रदेश सेवाकाल में मृत सरकारी सेवकों के आश्रितों की भर्ती नियमावली-1974 और उसके 2025 के संशोधनों के अनुसार की गई है। मंत्री ने बताया कि वर्ष 2025 में उनके द्वारा 40 मृतक सरकारी कर्मचारियों के आश्रितों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया जा चुका है।आज नियुक्त किए गए आश्रितों में मुख्य सेविका, प्रधान सहायक, वरिष्ठ सहायक, वाहन चालक और चतुर्थ श्रेणी के पद पर कार्यरत कर्मचारियों के परिवार के सदस्य शामिल हैं। कनिष्ठ सहायक के पद पर कुल 9 और चतुर्थ श्रेणी के पद पर 3 आश्रितों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।मंत्री बेबीरानी मौर्या ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान करने की दिशा में पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग में अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित 2425 महिलाओं को मुख्यमंत्री द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा चुके हैं। इसके अलावा, आयोग द्वारा चयनित 78 नई मुख्य सेविकाओं और 597 कनिष्ठ सहायकों को भी शीघ्र ही नियुक्ति पत्र प्रदान किया जाएगा।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने खरीफ फसलों के मूल्य निर्धारण के लिए बैठक की अध्यक्षता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में आज विधानभवन स्थित कक्ष संख्या 80 में खरीफ (2026-27) की मुख्य फसलों के मूल्य निर्धारण हेतु महत्वपूर्ण परामर्शदात्री बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सहकारिता मंत्री श्री जे.पी.एस. राठौर और खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री श्री सतीश शर्मा की भी विशेष उपस्थिति रही।बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी खरीफ सीजन में किसानों के हित में विभिन्न फसलों के उचित मूल्यों का निर्धारण कर केंद्र सरकार को प्रस्ताव प्रेषित करना था। इस अवसर पर धान (ग्रेड-ए और सामान्य), ज्वार, मक्का, उड़द, अरहर, मूंग, मूंगफली, सोयाबीन और तिल सहित कुल 10 प्रमुख फसलों के मूल्यों पर गहन विचार-विमर्श किया गया।कृषि मंत्री ने सभी फसलों के लिए प्रस्तावित मूल्य तय कर केंद्र सरकार को भेजने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित किया जा सके।बैठक में प्रमुख सचिव कृषि श्री रविंद्र, प्रमुख सचिव सहकारिता श्री अजय कुमार शुक्ला, सचिव कृषि श्री इन्द्र विक्रम सिंह, निदेशक कृषि श्री पंकज त्रिपाठी, निदेशक सांख्यिकी श्रीमती सुमिता सिंह सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

भारत को जरूरी बुनियादी ढांचा खड़ा करना होगा

इस साल गणतंत्र दिवस के मौके पर यूरोपीय संघ के दो शीर्ष नेता या पदाधिकारी मुख्य अतिथि है। यूरोपीय काउंसिल के अध्यक्ष एंटोनियो लुईस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपीय कमीशन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लियेन मुख्य अतिथि हैं। 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस की परेड के अगले दिन 27 जनवरी को बताया जा रहा है कि दोनों के बीच व्यापार संधि हो सकती है। यह भारत की स्वतंत्र व व्यापार नीति के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। ध्यान रहे भारत पहले ही ब्रिटेन के साथ व्यापार संधि कर चुका है और ब्रिटेन व यूरोपीय संघ से इतर ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के साथ भी व्यापार संधि की है। लेकिन सवाल है कि इससे भारत को क्या बड़ा बाजार मिल रहा है और भारत किन उत्पादों का निर्यात करके इन संधियों का अधिकतम लाभ उठा सकता है?

ध्यान रहे इससे पहले जब भी किसी व्यापार संधि की खबर आती है तो बाहर से आने वाली चीजों के भारत में सस्ता होने की खबर उसमें होती है। जैसे न्यूजीलैंड के साथ व्यापार संधि होने की खबर आई तो बताया गया कि वहां के सेब, कीवी आदि फल, कुछ खास शराब और कुछ डेयरी उत्पाद भारत में सस्ते हो सकते हैं। भारत की ओर से न्यूजीलैंड को क्या बेचा जाएगा और उससे भारत को कितनी विदेशी मुद्रा प्राप्त होगी, यह बड़ा सवाल है। यह सब जानते हैं कि भारत के लोग उपभोक्ता हैं। भारत 140 करोड़ लोगों का बाजार है। उस बाजार में दुनिया भर के देश अपना माल खपाना चाहते हैं। लेकिन भारत के पास क्या माल है, जिसे वह विश्व बाजार में खपा सकता है? क्या भारत इन संधियों का पूरा फायदा उठाने के लिए तैयार भी है या फिर ये संधियां सिर्फ दिखावा है?

यह सवाल इसलिए भी है क्योंकि ब्रिटेन से लेकर ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड तक भारत व्यापार संधि तो कर रहा है लेकिन इन देशों में भारतीयों के प्रति नफरत बढ़ती दिख रही है। भारतीयों के खिलाफ घृणा अपराधों में बेहिसाब बढ़ोतरी हो रही है। भारतीय मूल के लोगों के साथ साथ छात्र भी निशाने पर हैं। एक तरफ जर्मनी या दूसरे देशों के साथ भारतीयों के लिए वीजा के नियम आसान करने की बात हो रही है तो दूसरी ओर उन देशों में भारतीयों पर हमले तेज हो रहे हैं। व्यापार संधि करते हुए हमेशा इस पहलू का ध्यान रखना चाहिए।

बहरहाल, अगर भारत तैयारी करे तो यूरोपीय संघ के साथ व्यापार संधि का बड़ा लाभ उसे मिल सकता है। लेकिन अभी तक मेक इन इंडिया अभियान कुल मिला कर असेंबल इन इंडिया बन कर रह गया है। भारत में स्टार्ट अप योजना के 10 साल पूरे होने का जश्न मनाया जा रहा है और मेक इन इंडिया के भी लगभग एक दशक हो गए हैं लेकिन इनसे ऐसा कुछ नहीं बना है कि भारत दुनिया के बाजार में अपना परचम लहरा सके। चीन अब भी दुनिया की फैक्टरी बना हुआ है।

दुनिया के देशों के साथ उसका ट्रेड सरप्लस 1.2 ट्रिलियन डॉलर है यानी भारत की जीडीपी के लगभग एक तिहाई के बराबर इसका विदेशी व्यापार का सरप्लस है। सो, इस बात का ध्यान रखना होगा कि हर देश के साथ मुक्त व्यापार की संधि भारत के लिए व्यापार घाटा बढ़ाने वाली नहीं हो। कहीं ऐसा न हो कि देश के 140 करोड़ लोगों को सस्ती चीजें तो मिलें लेकिन भारत पूरी तरह से उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था बन जाए। मुक्त व्यापार संधियों का लाभ लेने के लिए भारत में विनिर्माण सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए जरूरी बुनियादी ढांचा खड़ा करना होगा।

क्या हिंदुओं की जातीय मानसिकता को बदल पाएंगे संघ प्रमुख मोहन भागवत?

संघ प्रमुख मोहन भागवत के 10-12 वर्षों में जातिवाद खत्म करने के बयान के बीच, यह विश्लेषण पड़ताल करता है कि क्या आरएसएस के 'सामाजिक समरसता' प्रयास केवल हिंदू एकता के लिए एक राजनीतिक उपकरण हैं।

कमलेश पांडेय

प्राचीनकाल में मनुस्मृति से लेकर आधुनिक काल के संविधान तक हिंदू समुदाय में जिस जातिवाद को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में बढ़ावा दिया गया, वह अब दुनिया के तीसरे बड़े धर्म सनातन (हिन्दू) के लिए अभिशाप साबित हो रहा है। जिस तरह से सियासी गोलबंदी के लिए जातिवाद को हवा दी जा रही है, वह किसी लोकतांत्रिक कलंक से कम नहीं है। अब तो प्रशासनिक और न्यायिक निर्णय भी इसे हवा देते प्रतीत हो रहे हैं।

मसलन, इससे निरंतर कमजोर हो रहे हिन्दू समाज की एकजुटता के दृष्टिगत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत की चिंता स्वाभाविक है। यह उन जैसे सैकड़ों मशहूर लोगों के लिए भी सार्वजनिक चिंता का विषय रहा है। लेकिन हमारी संसद और सरकार के लिए यह कोई मुद्दा नहीं है क्योंकि जातिवादी खिलौने से मतदाताओं को फुसलाने के संवैधानिक तरकीब उसने विकसित कर लिए हैं और आधिकारिक निर्णयों में भी इसका भौंडा प्रदर्शन दिखाई दे जाता है।

बता दें कि विगत 18 जनवरी 2026 को छत्रपति संभाजीनगर में संघ सरचालक मोहन भागवत ने कहा कि जातिगत भेदभाव समाप्त करने के लिए जाति को मन से मिटाना होगा, जो ईमानदारी से करने पर 10-12 वर्षों में संभव है। एक तरह से उनका यह बयान जातिवाद की गहरी जड़ों को देखते हुए आशावादी तो लगता है, लेकिन इसकी व्यवहारिकता पर सवाल उठते हैं क्योंकि जाति भारत की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक संरचना में गहराई से बसी हुई है।

अब तो संविधान से लेकर जनगणना तक इसने घुसपैठ कर ली है। इसलिए जब तक सत्ता प्रतिष्ठान को सद्बुद्धि नहीं आएगी, तबतक जाति मुक्त भारत या हिन्दू समाज की परिकल्पना बेमानी प्रतीत होती है। इसलिए यक्ष प्रश्न पुनः समुपस्थित है कि क्या हिंदुओं की जातीय मानसिकता को बदल पाएंगे संघ प्रमुख मोहन भागवत? क्या जाति आधारित आरक्षण सम्बन्धी सोच को बदल पाएंगे मोहन भागवत? क्योंकि जबतक ऐसा नहीं होगा, उनकी तमाम कोशिशें नाकाफी प्रतीत होंगी!

फ़लिवक्त मोहन भागवत ने बताया कि जाति मूल रूप से पेशे से जुड़ी थी, लेकिन बाद में भेदभाव का कारण बनी। उन्होंने जोर दिया कि कानून या घोषणाओं से नहीं, बल्कि मानसिकता बदलने से यह जटिल समस्या हल होगी। देखा जाए तो यह युगांतरकारी विचार पहले भी व्यक्त किया गया है, जैसे 2023 में जाति को 'पंडितों की देन' उन्होंने ही बताया था, लेकिन नेताओं और नौकरशाहों की संवैधानिक हठधर्मिता शायद उन्होंने विस्मृत कर डाली, ताकि आरक्षणवादी कोहराम न मचाएं।

कहना न होगा कि जातिवाद मुक्त भारत और हिन्दू समाज की राह में कई व्यवहारिक चुनौतियाँ भी हैं क्योंकि जातिवाद ग्रामीण रोजगार, विवाह और राजनीति में प्रबल है, जहां आरक्षण और वोट बैंक इसे बनाए रखते हैं। भले ही प्रतिक्रियाओं में इसे 'चुनावी जुमला' कहा गया, क्योंकि ऐसे बयान कार्रवाई में नहीं बदलते। यही वजह है कि सामाजिक सुधारों के बावजूद, अंतरजातीय विवाह कम हैं और भेदभाव जारी है।

यह ठीक है कि इस दिशा में जारी ईमानदार प्रयास से जागरूकता बढ़ सकती है, लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति और कानूनी सख्ती के बिना 10-12 वर्षों का लक्ष्य अवास्तविक लगता है। फिर भी यदि यह पुनीत सपना साकार होता है तो इससे नागरिक समाज, शिक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण में सहायता मिल सकती है। वहीं नागरिक समाज, शिक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण से ही यह पवित्र सपना साकार होगा।

देखा जाए तो आरएसएस ने जातिवाद समाप्ति के लिए लंबे समय से सामाजिक समरसता व सामाजिक सद्भाव को प्रमुख लक्ष्य बनाया है, जिसमें जागरूकता अभियान, गांव-स्तरीय प्रयास और शाखाओं के माध्यम से कार्यकर्ताओं को प्रेरित करना शामिल है। हालांकि, आलोचक इसे सतही मानते हैं क्योंकि संगठन की आंतरिक संरचना और ऐतिहासिक रुख में जातिगत प्रभाव दिखता रहा है।

बावजूद इसके, आरएसएस ने 2023 से ₹सामाजिक समरसता परियोजना₹ शुरू की, जिसमें 13,000+ गांवों में कुओं, श्मशानों और मंदिरों में दलित प्रवेश पर रोक हटाने का सर्वे और जागरूकता अभियान चलाया। वहीं संघ शाखाओं (95,000+) के जरिए कार्यकर्ता गांवों, स्कूलों और मंदिरों में जाकर छुआछूत विरोधी संदेश फैलाते हैं, साथ में सामूहिक भोज के द्वारा भोजन करते हैं और सामूहिक विवाह को बढ़ावा देते हैं।

यही वजह है कि बिहार, हरियाणा, उड़ीसा, महाराष्ट्र जैसे चुनावों में हिंदू वोटों को जाति से ऊपर उठाने में संघ की उपर्युक्त पहल सहायक साबित हुई, जिससे भाजपा को प्रत्यक्ष लाभ हुआ। साथ ही शाखाओं में जाति-निरपेक्षता का वातावरण स्थापित हुआ। यही नहीं, संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठकों में भी इसे प्राथमिकता दी गई, जैसे 2024 के आम चुनावों तक इस विषयक अभियान चलाने का फैसला संपन्न हुआ।

वहीं, संगठन के भीतर जारी आंतरिक प्रयास के तहत संघ की शाखाओं में जाति को नजरअंदाज कर ₹सभी हिंदू एक परिवार₹ का सिद्धांत अपनाया जाता है, जिसकी शुरुआत संस्थापक हेडगेवार ने की थी। वहीं, संवैधानिक आरक्षण पर भी समर्थन जताया गया है, ताकि दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों आदि का भरोसा आरएसएस में मजबूत हो। हालांकि हालिया बयानों में इसे जातिवाद बढ़ाने वाला भी कहा गया। साथ ही साल 2024 में जाति जनगणना का संघ ने समर्थन किया गया ताकि योजनाएं बेहतर हों, बशर्ते राजनीतिक दुरुपयोग न हो।

कहना न होगा कि आरएसएस के इन सदाशयी प्रयासों के बावजूद, उस पर ब्राह्मण वर्चस्व और आरक्षण विरोध के पुराने आरोप लगते रहे हैं। आरएसएस के जातिवाद विरोधी प्रयासों पर कई गंभीर आलोचनाएं भी आई हैं, जो मुख्य रूप से इनके प्रचारात्मक, असंगठित और हिंदू एकता को प्राथमिकता देने वाले स्वरूप पर केंद्रित हैं। जिसके चलते आलोचक इन्हें सतही बताते हैं क्योंकि संगठन ने जाति व्यवस्था को जड़ से चुनौती नहीं दी।IN अक्सर सवाल उठाया जाता है कि विगत 100 वर्षों में कोई प्रमुख दलित या आदिवासी संघ सरसंघचालक नहीं बना, जिससे आंतरिक ब्राह्मण वर्चस्व के आरोप बने हुए हैं। वहीं, आरक्षण पर अस्पष्ट रुख और जाति जनगणना को राजनीतिक दुरुपयोग रोकने की शर्त रखना आलोचना का कारण बना। वहीं छुआछूत जैसी प्रथाएं ग्रामीण भारत में बनी हुई हैं।

अलबत्ता, मोहन भागवत जैसे नेताओं के बयान सकारात्मक हैं, लेकिन व्यावहारिक बदलाव सीमित दिखते हैं क्योंकि जाति राजनीति में गहरी पैठ रखती है। भले ही भागवत के समग्र मूल्यांकन प्रयासों से जनजागरूकता बढ़ी, लेकिन जाति राजनीति और सामाजिक जड़ों को तोड़ने में ये पहल अपर्याप्त साबित हुए। ऐसा इसलिए कि गहरे बदलाव के लिए राजनीतिक समर्थन और कानूनी सख्ती की स्पष्ट कमी रही। यही वजह है कि आरएसएस के जातिवाद विरोधी प्रयासों में सीमित सफलता मिली है, जो मुख्यतः जागरूकता और कुछ स्थानीय स्तर के बदलावों तक सीमित रहकर, जबकि व्यापक सामाजिक परिवर्तन में असफलता दिखती है। आलोचकों के अनुसार, ये प्रयास हिंदू एकता को मजबूत करने के लिए प्रतीत होते हैं, न कि जाति व्यवस्था को जड़ से समाप्त करने के लिए।

टिप्पणी

सशक्त मानसिकता से आत्मनिर्भरता की ओर–पोषण निर्माण में अहम भूमिका निभा रही हैं सूरजपुर की महिलाएं

आर्थिक रूप से सशक्तिकरण की नींव सशक्त मानसिकता पर आधारित होती है। दृढ़ इच्छाशक्ति, आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास व्यक्ति को सफलता की दिशा में आगे बढ़ाते हैं। सूरजपुर जिले की स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं ने इस सोच को व्यवहार में उतारते हुए आत्मनिर्भरता की एक सशक्त मिसाल प्रस्तुत की है। ये महिलाएं न केवल स्वयं सशक्त बन रही हैं, बल्कि जिले की महिलाओं एवं बच्चों को पोषण उपलब्ध कराने के अभियान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

पोषण आहार (रेडी-टू-ईट या आरटीई) निर्माण संयंत्र सरकार द्वारा संचालित ऐसी इकाइयाँ हैं, जो आंगनवाड़ियों और अन्य योजनाओं के तहत बच्चों, गर्भवती महिलाओं और किशोरी बालिकाओं के लिए पौष्टिक, पहले से तैयार भोजन बनाती हैं, जिसे महिला स्व-सहायता समूहों (स॥त्रह्य) द्वारा चलाया जाता है, जिससे पोषण और महिलाओं का सशक्तिकरण दोनों होता है, जिसमें गेहूं, दालें, और दूध जैसे घटक शामिल होते हैं, जो प्रोटीन और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं।

जिले में आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं एवं बच्चों को गुणवत्तापूर्ण पोषण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तत्काल उपभोग हेतु तैयार पोषण आहार (रेडी टू ईट) निर्माण संयंत्र का शुभारंभ किया गया है। इन संयंत्रों में स्वादिष्ट एवं पौष्टिक नमकीन दलिया तथा मीठा शक्ति आहार का निर्माण किया जा रहा है, जो विटामिन 'ए', विटामिन 'डी', थायमिन, राइबोफ्लेविन, नियासिन, पाइरीडॉक्सिन, फोलिक अम्ल, कोबालामिन, लोह तत्व (आयरन), कैल्शियम एवं जिंक जैसे आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर है।

जिले प्रशासन द्वारा जिले में कुल 07 पोषण आहार निर्माण संयंत्र स्थापित किए गए है। यहां वर्तमान में भैयाथान, प्रतापपुर एवं सूरजपुर विकासखंड में तीन संयंत्रों का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। इन तीनों संयंत्रों में 32 महिलाएं प्रत्यक्ष रूप से पोषण आहार निर्माण कार्य में संलग्न हैं। निर्मित पोषण आहार आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को निःशुल्क प्रदान किया जा रहा है। इस प्रकार स्व-सहायता समूहों की महिलाएं मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुदृढ़ीकरण में अप्रत्यक्ष किंतु अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। इस सम्बन्ध में महत्वपूर्ण बात है कि पोषण आहार के निर्माण के साथ-साथ उसके वितरण की भी जिम्मेदारी भी महिला स्व-सहायता समूहों को सौंपी गई है।

सूरजपुर विकासखंड में 15 स्व-सहायता समूह तथा प्रतापपुर विकासखंड में 13 स्व-सहायता समूह सक्रिय रूप से वितरण कार्य में अपनी भूमिका निभा रही है। इन समूहों के माध्यम से कुल 430 महिलाएं आंगनबाड़ी केंद्रों तक पोषण आहार वितरण कार्य में सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं। इस योजना से महिलाओं के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। मानसिक रूप से सशक्त ये महिलाएं अब घरेलू कार्यों के साथ-साथ आजीविका से जुड़कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। यह पहल न केवल निश्चित रूप से जिले में पोषण स्तर सुधारने में सहायक सिद्ध होगी, बल्कि यह महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।

ब्लॉग

बड़े पैमाने पर निर्माण, निश्चितता के साथ कार्य पूर्णता

एकीकृत प्रशासन कैसे भारत के अवसंरचना परिदृश्य को नया रूप दे रहा है

विनायक पाई

पिछले दशक में, भारत के अवसंरचना परिदृश्य में एक संरचनात्मक बदलाव हुआ है—ऐसा बदलाव, जो केवल परिसंपत्ति निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रशासन और सेवा अदायगी की संरचना तक विस्तारित है। पिछले चरणों की तुलना में इस दौर की विशेषता सिर्फ निवेश के पैमाने या कार्यान्वयन की गति से ही संबंधित नहीं है, बल्कि इस बात में भी है कि एक सुसंगत, परिणाम-उन्मुख प्रणाली उभर रही है, जो नीतिगत उद्देश्य, संघीय सहयोग और जमीन पर कार्यान्वयन के अनुरूप है।

आज, भारत निर्णायक रूप से एक प्लेटफॉर्म-आधारित प्रशासन मॉडल की ओर आगे बढ़ रहा है—एक ऐसा मॉडल, जो अवसंरचना को अलग-अलग परियोजनाओं के समूह के बजाय एकीकृत राष्ट्रीय प्रणाली के रूप में देखता है।

अलग-अलग परियोजनाओं के बजाय, प्रणाली की सहायता से पैमाने का विस्तार

इस बदलाव का स्पष्ट प्रमाण है - राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क का विस्तार, जो 2014 के लगभग 91,000 किमी से बढ़कर 2024 में 1.46 लाख किमी से अधिक हो गया है। निर्माण की गति में हुई वृद्धि का भी समान महत्व है, जो लगभग 12 किमी प्रति दिन से बढ़कर 34 किमी प्रति दिन से अधिक हो गई है। इस गति को अक्सर एक तकनीकी उपलब्धि माना जाता है। वास्तव में, यह परियोजनाओं के विभिन्न पहलुओं का सहज रूप से समन्वय करने के बारे में है। यह एक ऐसी प्रणाली को प्रतिबिंबित करता है, जहाँ बाधाओं का पूर्वानुमान लगाया जाता है और समय पर समाधान किया जाता है।

सार्वजनिक नीति के दृष्टिकोण से, परियोजनाओं के तेजी से पूरे होने का सीधा मतलब है - सामाजिक और आर्थिक लाभों की जल्द प्राप्ति — गांव, बाजारों से जुड़ते हैं, स्वास्थ्य और शिक्षा तक आसान पहुँच की सुविधा मिलती है और आपदा राहत गतिविधि एवं राष्ट्रीय सहनीयता मजबूत होती है। यह लॉजिस्टिक लागत को कम करके औद्योगिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

इस दशक की एक प्रमुख विशेषता है - समयबद्ध जवाबदेही को संस्थागत रूप देना। प्रगति (सक्रिय शासन और समय पर कार्यान्वयन) की शुरुआत से जटिल, अंतर-मंत्रालयी परियोजनाओं के प्रबंधन को एक नयी दिशा मिली।

यहां सबसे महत्वपूर्ण नीति संकेत सांस्कृतिक है: विलंब को अब सामान्य नहीं माना जाता और जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से सौंपी जाती है। इसके परिणामस्वरूप, बड़े और तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण परियोजनाएं—जो कभी लंबे समय तक सुस्त पड़ी रहती थीं—अब पूर्वानुमान और अनुशासन के साथ प्रगति कर रही हैं।

एक अन्य महत्वपूर्ण बदलाव, अवसंरचना परियोजनाओं में सहयोगात्मक संघवाद को मजबूत करना रहा है। केंद्र और राज्यों के बीच नियमित व विभिन्न स्तरों पर संवाद ने कार्यान्वयन के माहौल को बदल दिया है, विशेष रूप से उन परियोजनाओं के लिए जो कई क्षेत्रों में फैली होती हैं। यह मॉडल संवैधानिक भूमिकाओं का सम्मान करता है और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के लिए सामंजस्य सुनिश्चित करता है। राज्य अब केंद्रीय प्रायोजित परियोजनाओं के निष्क्रिय प्राप्तकर्ता नहीं हैं, बल्कि योजना, कार्यान्वयन और परिणाम प्रबंधन में सक्रिय साझेदार हैं। इसका परिणाम है - तेज सहमति निर्माण, कम कानूनी विवाद और जमीन पर सुचारु क्रियान्वयन।

उद्योग जगत के दृष्टिकोण से, यह पूर्वानुमान क्षमता कार्यान्वयन जोखिम को कम करती है। नीतिगत दृष्टिकोण से, यह भारत की संघीय कार्यान्वयन क्षमता में विश्वास को मजबूत करती है। भारत की अवसंरचना रणनीति, परिवहन संपर्क से प्रतिस्पर्धा की ओर भी विकसित हो रही है। सड़कों की योजनायें अब केवल अंतिम बिंदुओं के रूप में नहीं, बल्कि व्यापक लॉजिस्टिक्स और परिवहन इकोसिस्टम के रूप में बनायी जा रही हैं।

राजमार्गों का रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों और शहरी परिवहन के साथ एकीकरण—जिसका समर्थन राष्ट्रीय योजना रूपरेखाओं, जैसे गति शक्ति द्वारा किया जा रहा है— ने भारत की लंबे समय से मौजूद संरचनात्मक चुनौतियों में से एकः उच्च लॉजिस्टिक्स लागत, का समाधान करना शुरू कर दिया है।

नीति निर्माताओं के लिए, यह बदलाव एक महत्वपूर्ण सबक को रेखांकित करता हैः अवसंरचना की दक्षता केवल परिसंपत्ति की गुणवत्ता से नहीं, बल्कि परिसंपत्तियों के बीच समन्वय से निर्धारित होती है। एकीकृत योजना पुनरावृत्ति को कम करती है, सार्वजनिक पूंजी का अधिकतम उपयोग करती है और राष्ट्रीय संपत्तियों के उपयोग में सुधार करती है।

स्पष्ट नीति, तेज निर्णय चक्र और दिखाई देने योग्य कार्यान्वयन गति ने निवेशकों की धारणाओं को बदल दिया है। भारत में अवसंरचना को एक स्थिर व दीर्घकालिक निवेश की संभावना के रूप में देखा जा रहा है, जिसे संस्थागत निरंतरता और प्रशासनिक संकल्प से समर्थन मिल रहा है।

ईपीसी उद्योग के लिए, यह वातावरण प्रौद्योगिकी, यांत्रिकीकरण, सुरक्षा प्रणालियों और कौशल विकास में बड़े निवेश करने की सुविधा देता है। यह कंपनियों को अनिश्चितता का सामना करने के बजाय आत्मविश्वास के साथ बड़े पैमाने की योजना बनाने की अनुमति देता है।

अगले चरण के लिए नीति प्राथमिकताएँ

भारत अवसंरचना विस्तार के अगले चरण में प्रवेश कर रहा है, नीतिगत ध्यान अब मात्रा के बजाय मूल्य की ओर होना चाहिए। प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल हैं:

प्रारंभिक योजना और गुणवत्ता युक्त डीपीआर पर विशेष ध्यान

जीवनचक्र आधारित परियोजना का योजना निर्माण, प्रारंभिक डिजाइन से परिचालन तक में स्थायित्व और सहनीयता शामिल करना

निर्णय समयसीमा को और कम करने के लिए डिजिटल प्रशासन और डेटा एकीकरण

तकनीक का उपयोग करके कार्यान्वयन गुणवत्ता बनाए रखने के लिए राज्य और स्थानीय स्तर पर क्षमता निर्माण

गति और वित्तीय विवेक को संतुलित करने वाली जोखिम-साझाकरण व्यवस्था

सभी जीवनचक्रों में कौशल विकास

भारत की अवसंरचना यात्रा को अब इरादे या कार्यक्षमता की कमी से रोका नहीं जा सकता है। आगे का कार्य इन प्रणालियों को और गहरा करना, संस्थागत निरंतरता की रक्षा करना, और यह सुनिश्चित करना है कि अवसंरचना समावेशी, प्रतिस्पर्धी और मजबूत विकास के लिए एक आधार के रूप में कार्य करती रहे।

(लेखक, भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) महाराष्ट्र और राष्ट्रीय सड़क एवं राजमार्ग समिति के अध्यक्ष हैं)

आजम खां परिवार का जौहर ट्रस्ट से किनारा, अखलाक को सौंपी जिम्मेदारी, संस्था पर चल रहे 30 से अधिक मुकदमे

आर्यावर्त संवाददाता

रामपुर। सपा के राष्ट्रीय महासचिव आजम खां, उनके छोटे बेटे एवं सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम और पत्नी एवं पूर्व सांसद डॉ. तजीन फात्मा ने मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट से खुद को अलग कर लिया है। इसके बाद ट्रस्ट की जिम्मेदारी बहन निकहत अफलाक को सौंपी गई है। बड़े बेटे अदीब को सचिव बनाया गया है। मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट आजम के ड्रीम प्रोजेक्ट जौहर यूनिवर्सिटी और रामपुर पब्लिक स्कूलों का संचालन करता है।

इस ट्रस्ट में आजम खां अध्यक्ष थे जबकि उनकी पत्नी डॉ. तजीन फात्मा सचिव, इतना ही नहीं आजम खां के दोनों बेटे अदीब आजम और अब्दुल्ला आजम इस ट्रस्ट के सदस्य हुआ करते थे।

कसते कानूनी शिकंजे के बाद

आजम खां ने बेटे अब्दुल्ला और पत्नी डॉ. तजीन फात्मा के साथ खुद को जौहर ट्रस्ट से अलग कर लिया है। मालूम हो कि पूर्व में जब आजम खां, अब्दुल्ला आजम और तजीन फात्मा जेल में बंद थे।

तब ट्रस्ट के संचालन में भी असुविधा हो रही थी। लिहाजा, मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट की नई कार्यकारिणी गठित की गई है। यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार एसएन सलाम ने बताया कि निकहत अफलाक को ट्रस्ट के अध्यक्ष और मोहम्मद अदीब आजम को सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आजम-अब्दुल्ला की अपील पर अब 27 को सुनवाई

दो पैन कार्ड मामले में सजा काट रहे सपा नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम की अपील पर बृहस्पतिवार को सुनवाई नहीं हो सकी। इस मामले की सुनवाई अब 27 जनवरी को होगी।

सपा नेता अब्दुल्ला आजम के दो पैन कार्ड मामले में मजिस्ट्रेट कोर्ट ने पिछले दिनों सपा नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को सात साल की कैद व 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी।

इस मामले में बचाव पक्ष की ओर से सजा के खिलाफ और अभियोजन की ओर से सजा बढ़ाए जाने को लेकर एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में अपील दायर की गई है। बृहस्पतिवार को इस मामले में सुनवाई होनी थी लेकिन सुनवाई नहीं हो सकी। अब इस मामले की सुनवाई अब 27 जनवरी को होगी।

बागपत में दो पक्षों में जमकर हुआ पथराव और फायरिंग, गली में खड़े 10 साल के मासूम को लगी गोली

आर्यावर्त संवाददाता

बागपत। बड़ौत शहर की खत्री गढी में गुरुवार रात लगभग आठ बजे मारपीट की घटना को लेकर दो पक्षों में पथराव और फायरिंग हो गई। घटनास्थल के पास गली में खड़ा एक बच्चा भी गोली लगने से घायल हो गया। बच्चे को सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

खत्री गढ़ी के रहने वाले दीपक वर्मा ने पुलिस को बताया कि गली में दो पक्षों के बीच झगड़ा हो रहा था। एक पक्ष का युवक छत से फायरिंग कर रहा था। इसी दौरान उनका 10 वर्षीय बेटा हर्ष गली में खड़ा हुआ था। फायरिंग के दौरान हर्ष पेट में गोली लग गई, जिसके बाद वह घायल हो गया।

घटनास्थल के बाद अफरा-तफरी मच गई, वह घायल बेटे को लेकर कोतवाली पहुंचे और पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने उनके बेटे का सीएचसी में उपचार कराया, वह कक्षा दो का छात्र है।

कोतवाली प्रभारी मनोज कुमार चाहल ने बताया कि दो युवकों के बीच मारपीट हो हो गई थी। एक पक्ष लोग दूसरे पक्ष के घर पहुंचे तों पथराव हो गया। इसमें एक बच्चा भी घायल हुआ है। बच्चा कैसे घायल हुआ और झगड़े के क्या कारण हैं। इसकी जांच कर कार्रवाई की जाएगी। आरोपितों की तलाश की जा रही है। उधर, इसी मारपीट की घटना में युवक लक्की घायल हुआ है, जो कार्रवाई की मांग को लेकर अपने स्वजन के साथ कोतवाली में पहुंचा और पुलिस से कार्रवाई की मांग की।

व्यापारी के बेटे का अपहरण, फिरौती न मिलने पर हत्या, मुठभेड़ में एक आरोपी ढेर, दूसरे की हालत गंभीर

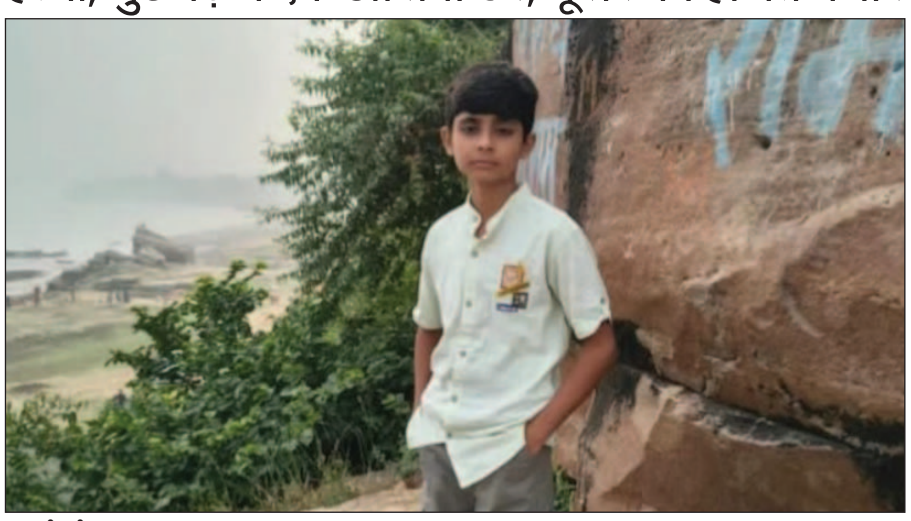

आर्यावर्त संवाददाता

चित्रकूट। चित्रकूट के बरगढ़ थाना क्षेत्र में एक व्यापारी के बेटे आयुष केसरवानी की अपहरण करने के बाद बेरहमी से हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि अपहरणकर्ताओं ने 40 लाख की फिरौती की मांग की थी, जिसके पूरा न होने पर उन्होंने मासूम की जान ले ली।

घटना के बाद इलाके में भारी तनाव है और बरगढ़ थाना छावनी में तब्दील हो गया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घेराबंदी शुरू की, जिसके बाद बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। इसमें अपहरण और हत्या के वांछित मुख्य आरोपी इरफान को पैर में गोली लगी।

एक आरोपी की मौत, दूसरा गंभीर हालत में रेफर

इससे वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है और अस्पताल में भर्ती कराया है। वहीं, दूसरे आरोपी कल्लू की मौत हो गई। पुलिस ने घटनास्थल से अवैध हथियार भी बरामद किए गए हैं। मामले की जांच की जा रही है।

अधिवक्ता सहित दो लोग मांझे से घायल, दहशत

जौनपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र में चाइनीज मांझे पर रोक नहीं लग पाया है यह तब स्पष्ट हो पाया जब शुक्रवार को सद्भावना पुल के निकट अलग-अलग घटनाओं में एक अधिवक्ता और अस्पताल कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रतिबंध के बावजूद शहर में खुलेआम बिक रहे इस खतरनाक मांझे ने लोगों की चिंता और दहशत बढ़ा दी है। बताते है कि भंडारी निवासी करीब 60 वर्षीय अधिवक्ता हरिश्चंद्र अपनी बाइक से न्यायालय जा रहे थे। जैसे ही वे सद्भावना पुल पार कर जोगियापुर की ओर बढ़े, अचानक उनके गले में चाइनीज मांझा फंस गया। मांझा लगते ही उनका गला कट गया और वे सड़क पर गिर पड़े। मौके पर मौजूद राहगीरों व अन्य अधिवक्ताओं ने उन्हें तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने बताया कि गला कम कटने की वजह से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। दूसरी घटना भी उसी स्थान पर घटी। जिला अस्पताल में नाइट ड्यूटी कर लौट रहे सुनील कुमार सिंह जब सद्भावना पुल पर पहुंचे, तो उनके चेहरे पर चाइनीज मांझा तेजी से लिपट गया।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सपा पर किया हमला, बोले– प्रधानी का चुनाव भी नहीं जीत पाएंगे अखिलेश यादव

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव तुष्टीकरण की राजनीति करते हैं। वह जाति और धर्म के नाम पर समाज को बांटने का काम कर रहे हैं। अगर अखिलेश यादव जाति और धर्म की राजनीति न करें तो आने वाले समय में उनके लिए प्रधानी का चुनाव जीतना भी मुश्किल हो जाएगा।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक बृहस्पतिवार को मेरठ के दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने शहर में आयोजित कई अलग-अलग कार्यक्रमों में शिरकत की। अपने दौरे के क्रम में वह मेरठ के प्यारे लाल शर्मा स्मारक पहुंचे, जहां मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के पास विकास का कोई ठोस एजेंडा नहीं है। अखिलेश यादव केवल जाति और धर्म के नाम पर राजनीति कर रहे हैं। जनता अब इन बातों को अच्छी तरह समझ चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता विकास, कानून-व्यवस्था और सुशासन चाहती है, न कि तुष्टीकरण की राजनीति।

बख्शे नहीं जाएंगे ज्वालागढ़ के दोषी

कपसाड़ और ज्वालागढ़ कांड को लेकर पूछे गए सवाल पर डिप्टी सीएम ने कहा कि इन दोनों मामले में दोषी बख्शे नहीं जाएंगे। जांच के बाद जो भी आरोपी सामने आएंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उच्च अधिकारी इस मामले की लगातार निगरानी कर रहे हैं। शासन भी नजर बनाए हुए है।

शादी के नाम पर ठगी करने वाले चार गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। पुलिस ने शादी के नाम पर धोखाधड़ी कर पैसे ऐंठने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने आदमपुर मोड़ के पास से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 32,500 रुपये नकद भी बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में कौड़ियां थाना शाहगंज निवासी बृजेश कुमार गौतम, ख्मौरा थाना सराय ख्वाजा निवासी आशु गौतम, मीरपुर थाना जलालपुर आंबेडकरनगर निवासी रुक्सार और मियापुर थाना लाइन बाजार निवासी काजल शामिल हैं। इस गिरोह ने संभल निवासी एक युवक विनोद कुमार को फर्जी दुल्हन का झांसा देकर लाखों रुपए ऐंठे थे। यह गिरोह अविवाहित पुरुषों के मोबाइल नंबर हासिल करता था। फिर उनसे फोन पर संपर्क कर शादी का प्रस्ताव देता था। इसके लिए वे अपनी ही सहयोगी लड़कियों की तस्वीरें भेजते थे और उन्हें शादी के लिए बुलाते थे। शादी के नाम पर खरीदारी और अन्य खर्चों के बहाने पैसे ऐंठे जाते थे।मामले के अनुसार, गिरोह को संभल के टंकी मोहल्ला, थाना घिन्नौर कोतवाली निवासी विनोद कुमार पुत्र गजराम के बारे में जानकारी मिली, जो शादी के लिए लड़की की तलाश कर रहे थे गिरोह ने उनके साले, जिनकी ससुराल बहाउद्दीनपुर, थाना सराय ख्वाजा, जौनपुर में है, के माध्यम से विनोद से संपर्क साधा।इसके बाद, गिरोह ने अपनी सहयोगी नेहा की तस्वीर भेजकर विनोद को शादी के लिए मल्हनी बाजार बुलाया। वहां गिरोह के सदस्यों ने विनोद से शादी की खरीदारी और अन्य खर्चों के नाम पर पैसे मांगे। विनोद ने बताया कि उनका भाई पैसे भेजेगा। गिरोह विनोद को जन सेवा केंद्र ले गया, जहां स्कैनर के माध्यम से विनोद ने अपने भाइयों से पैसे मंगवाए।

बरेली में एसओजी टीम पर हमला : पूर्व प्रधान समेत 28 बवालियों पर रिपोर्ट, कई हिरासत में, अब असली हमलावरों की तलाश

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। गुरुवार रात बिथरी इलाके में चोरी की बैटरी बरामद करने के दौरान अपराधियों ने दबंगों के साथ मिलकर एसओजी टीम पर हमला कर दिया। बिथरी पुलिस ने 12 आरोपियों को नामजद करने के साथ ही फरीदपुर इनायत खां गांव के पूर्व प्रधान कमलेश पटेल समेत कुल 28 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। करीब दस लोग हिरासत में हैं, जिनसे पूछताछ की जा रही है। असली बवालियों की तलाश की जा रही है।

एसओजी के हेड कांस्टेबल शशि कुमार सिंह की ओर से यह मामला दर्ज कराया गया है। उन्होंने लिखवाया है कि मुखबिर की सूचना पर उनकी टीम रात साढ़े सात बजे करीब फरीदपुर इनायत गांव से बिथरी रोड पर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। चोरी की बैटरी भरकर ले जा रही एक पिकअप गाड़ी को रोका तो उसमें से उतरे तीन लोग अभद्रता करने लगे। फिर पीछे से आई स्विफ्ट कार में बैठे चार पांच लोगों ने एसओजी टीम से ही पूछताछ शुरू कर दी।

उन्होंने कहा कि पुलिस फिजूल में चेकिंग के नाम पर जनता को परेशान करती है। आज इन्हें सबक सिखा दो। इन लोगों ने गांव में आवाज देकर और भीड़ बुला ली। इन लोगों ने लाठी डंडों से हमला कर दिया जिससे कांस्टेबल मधुर, हेड कांस्टेबल कमल व अनुज गंभीर घायल हो गए। हेड कांस्टेबल शशि व ज्ञानेंद्र को भी चोट आई। सूचना देकर बिथरी थाना पुलिस को बुलाया तो जान बच सकी।

इन लोगों पर लिखी गई रिपोर्ट

हेड कांस्टेबल शशि कुमार सिंह ने रिपोर्ट में बारादरी के संजय नगर निवासी धर्मवीर, सूफी टोला निवासी सैफ, मुरादाबाद के भोजपुर थाने के अकबरपुर गांव निवासी वारिस, बिथरी के थाना कंथरिया निवासी राजीव पटेल, भुता थाने के म्यूड़ी खुर्द निवासी कमल पटेल, बहेड़ी निवासी विमल कुमार को नामजद कराया है। इनके अलावा फरीदपुर इनायत खां गांव के पूर्व प्रधान कमलेश, संजीव, अभिमन्यु, नरेश, पप्पू व दीपक को भी आरोपी बनाया गया है। करीब 12 नामजदों के साथ ही 16 लोगों को अज्ञात के तौर पर शामिल किया गया है। बिथरी थाना प्रभारी सीपी शुक्ला ने बताया कि भीड़ में शामिल लोगों की पहचान कर नाम खोले जाएंगे। धरपकड़ शुरू हो गई है, जल्द ही टीम पर हमले के सभी आरोपी जेल भेजे जाएंगे।

स्वतंत्रता संग्राम में नेताजी का योगदान महत्वपूर्ण

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती एवं उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शुक्रवार को "देश के नाम पदयात्रा" का भव्य आयोजन किया गया। यह पदयात्रा विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार सरस्वती सदन से प्रारंभ होकर रोवर्सदूरेंजर्स भवन में स्थापित नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की प्रतिमा तक निकाली गई। संकाय भवन में विकसित उत्तर प्रदेश- विकसित भारत विषय पर रंगोली प्रतिओगिता का भी आयोजन किया गया.। पदयात्रा का शुभारंभ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह एवं एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर आलोक सिंह धर्मराज द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। राष्ट्रभक्ति के नारों और देशभक्ति गीतों के साथ निकली पदयात्रा से पूरा विश्वविद्यालय परिसर देशप्रेम से गूंज उठा। रोवर्स रेंजर्स भवन पहुंचने पर सभी ने नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। कुलपति ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस का योगदान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का स्वर्णिम अध्याय है। उनका त्याग, साहस और राष्ट्रभक्ति युवाओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। मुख्य अतिथि एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर आलोक सिंह धर्मराज ने कहा कि नेताजी ने आजाद हिंद फौज के गठन के माध्यम से देशवासियों में राष्ट्रप्रेम की भावना को जागृत कर आजादी के संघर्ष को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। कुलसचिव श्री केशलाल, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह, रोवर्स रेंजर्स के स्वयंसेवकों तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

वसंत पंचमी पर ब्रज में होली का उल्लास, ठाकुर बांकेबिहारी ने भक्तों पर उड़ाया गुलाल, सराबोर हुए श्रद्धालु

आर्यावर्त संवाददाता

वृंदावन। गेंदा के पीले फूलों से छाई वासंतिक घटा के बीच पीतांबर धारण कर कमर में हलाल का फैंटा बांध जब वृंदावन के बांकेबिहारी मंदिर के आराध्य बांकेबिहारी लाल ने भक्तों पर गुलाल उड़ाया तो आराध्य के प्रसादी गुलाल में सराबोर होने को देशभर से आए भक्तों में होड़ लग गई।

आराध्य के प्रसादी गुलाल के गुबार के रंगों में सराबोर भक्तों के आनंद का ठिकाना न था। मंदिर में पट खुलने से पहले सुबह साढ़े पांच बजे गर्भगृह पर चांदी की नई देहरी तो स्थापित हो गई। लेकिन, समिति पदाधिकारियों ने तय समय सुबह साढ़े आठ बजे देहरी का पूजन नहीं किया।

वसंत पंचमी पर शुक्रवार को वृंदावन के ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में होली की शुरुआत ठाकुरजी के भक्तों संग होली खेलकर की। इसी के साथ ब्रज में होली की शुरुआत हुई। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में होली की शुरुआत पर आराध्य की एक झलक पाने और प्रसादी गुलाल में सराबोर होने की इच्छा लिए लाखों श्रद्धालु मंदिर की ओर बढ़ते नजर आए।

सुबह मंदिर खुलने से पहले ही हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचने लगे। तो पुलिस ने व्यवस्था संभालने में लिए कमान संभाल ली। श्रद्धालुओं को विद्यापीठ, जुगलघाट से रेलिंग में कतारबद्ध तरीके से प्रवेश मिला। बेरिकेडिंग पर रोक रोक कर भक्तों को आगे बढ़ाया जा रहा था।

वसंत पंचमी पर ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में श्रद्धालु ने दस किलो वजन की चांदी की देहरी अर्पित की। ऐसे में मंदिर के पट खुलने से पहले मंदिर उच्चाधिकार प्रबंधन प्राप्त समिति के अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति अशोक कुमार की अगुवाई में समिति पदाधिकारियों एवं सदस्यों को देहरी पूजन करना था।, जिसकी घोषणा अध्यक्ष ने 19 जनवरी की बैठक में की थीं लेकिन, वसंत पंचमी पर मंदिर के पट खुल गए। होली शुरू हो गई, लेकिन समिति ने देहरी पूजन नहीं किया।

डीएम ने किया एसआईआर कार्य का निरीक्षण

जौनपुर। सिरकोनी विकास खण्ड मुख्यालय का जिलाधिकारी दिनेश चंद्र ने गुरुवार को एसआईआर के कार्यों का औचक निरीक्षण किया और अहम जानकारियां लिया।डीएम ने ब्लॉक मुख्यायल पर पहुंच कर एसआईआर के चल रहे कार्यों को देखा।उन्होंने खण्ड विकास अधिकारी नीरज जायसवाल से ब्लॉक में 2003 का डाक्यूमेंट नही देने वाले लोगो की जानकारी लिया।खण्ड विकास अधिकारी ने बताया कि ब्लॉक में लगभग 500 लोगों को डाक्यूमेंट नही देने पर नोटिस जारी किया गया था।डीएम ने ब्लॉक पर नोटिस मिंलने के बाद ब्लॉक मुख्यालय पर डाक्यूमेंट के साथ आये दर्जन भर लोगों का मैपिग करवाया।डीएम ने ब्लॉक में एसआईआर के लिए बनाए गए पांचों ईआरओ एहतेशामूल हक,नीरज जायसवाल,सुनील कुमार गुप्ता,ऋत्विक श्रीवास्तव, अंशुल त्रिपाठी को आवश्यक निर्देश दिया।उन्होंने ब्लॉक के गोपीपुर की बीएलओ नीलम चौबे को उत्कृष्ट कार्य के लिए ब्लॉक मुख्यालय पर सम्मानित किया।

विराट हिंदू सम्मेलन : 'वो धर्म पूछकर मारते हैं', बुर्के वाली तीन महिलाओं का किया जिक्र, ऐशान्या ने सुनाया दर्द

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

आगरा। विराट हिंदू सम्मेलन में पहलगाम हमले में आतंकियों की गोली का निशाना बने कानपुर निवासी शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐशान्या ने कहा कि 'मेरे पति को बस इसलिए मार डाला कि वह हिंदू थे। उन्हें कलमा पढ़वाने को मजबूर किया और गोली मार दी। हर आतंकी घटना के पीछे एक ही धर्म के लोग होते हैं। वे धर्म पूछकर मारते हैं, आप धर्म पूछकर उनसे सामान खरीदना बंद कर दो।' जीआईसी मैदान आयोजित हुए हिंदू सम्मेलन में ऐशान्या ने कहा कि 'मेरी कथा और व्यथा सबको पता है, लेकिन इस घटना को अपनी ताकत बनाकर आगे चलना चाहती हूं। 22 अप्रैल, 2025 का दिन वो 'ब्लैक डे' था, जिस दिन हिंदुओं से कहा गया था कि कलमा पढ़ो। नहीं पढ़ोगे तो गोली मार देंगे। फिर भी मेरे पति ने गर्व से कहा था कि मैं हिंदू हूं।

उन्होंने कहा कि हम किसी से धर्म पूछकर सामान नहीं खरीदते हैं। एक घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पहलगाम घटना के बाद वे अपनी बहन के स्टोर पर गई थीं। वहां बुर्के में तीन महिलाएं आईं। उन्होंने कहा कि ये तीनओं महिलाएं उन्हें देखकर लौट गईं। कुछ आगे चलकर आपस में कहने लगीं कि यह वही पहलगाम वाली लड़की है। इसके यहां से कुछ नहीं खरीदना है।

ऐशान्या ने कहा कि उनका क्या बिगाड़ा था? उन्होंने मेरा धर्म पूछा था, मेरे मुसलमान न होने और हिंदू होने की वजह से हम पर गोलियां चलाईं। उनके साथ गलत नहीं किया था। फिर भी वो मुंह पर बोल कर गईं कि इनके यहां से कुछ नहीं लेना। क्योंकि, ये वही पहलगाम वाली हिंदू लड़की है।

कुत्ते के काटने के तुरंत बाद क्या करना चाहिए, कौन-सी लापरवाहियां बढ़ा देती हैं जान का खतरा?

अक्सर कुछ लोग कुत्ते के काटने पर ऐसी गलतियां करते हैं, जो कई मामलों में जान के जोखिम को कई गुना बढ़ा देता है। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं कि कुत्ते के काटने के बाद क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए?

कुत्ते का काटना एक ऐसी आपातकालीन स्थिति है जिसे हल्की सी भी लापरवाही जानलेवा बना सकती है। भारत में रेबीज एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है और चौंकाने वाली बात यह है कि रेबीज संक्रमण होने के बाद इसका कोई पुख्ता इलाज नहीं है, इसलिए बचाव ही एकमात्र रास्ता है।

जब कोई कुत्ता काटता है, तो उसके लार में मौजूद खतरनाक वायरस और बैक्टीरिया घाव के जरिए हमारे रक्तप्रवाह में प्रवेश कर जाते हैं। अक्सर लोग घबराहट में घाव पर पट्टी बांध देते हैं या घरेलू नुस्खे जैसे मिर्ची, तेल या हल्दी लगाने लगते हैं, जो संक्रमण को शरीर के अंदर और गहराई तक धकेल सकते हैं।

इसलिए आइए इस लेख में जानते हैं कि कुत्ता काटने पर तुरंत क्या करना चाहिए। ध्यान रखें कुत्ते के दांत का एक छोटा सा निशान भी रेबीज का कारण बन सकता है, इसलिए तुरंत कदम उठाना और सही जानकारी होना बहुत जरूरी है।

कुत्ते के काटने के तुरंत बाद घर पर क्या प्राथमिक उपचार करें?

काटने के तुरंत बाद सबसे जरूरी है घाव को बहते हुए पानी और साबुन से कम से कम 10-15 मिनट तक धुलें। साबुन में मौजूद तत्व वायरस की बाहरी परत को नष्ट करने में मदद करते हैं। घाव को रगड़ें नहीं और न ही उस पर पट्टी बांधें, क्योंकि घाव का खुला रहना और ऑक्सीजन के संपर्क में रहना वायरस के प्रसार को धीमा करता है। सफाई के बाद किसी एंटीसेप्टिक लोशन का उपयोग करें और तुरंत डॉक्टर के पास जाएं।

कौन सी गलतियां संक्रमण और जान के खतरे को बढ़ा देती हैं?

कुत्ते के काटने के बाद की जाने वाली जानलेवा लापरवाहियों को आप इन मुख्य बिंदुओं के जरिए समझ सकते हैं-

गलत घरेलू उपचारः घाव पर लाल मिर्च, चूना, मिट्टी, तेल या हल्दी जैसा 'देशी इलाज' करना सबसे बड़ी गलती है। ये चीजें वायरस को खत्म करने के बजाय घाव में गंभीर संक्रमण पैदा कर सकती हैं।

पालतू कुत्ते को लेकर लापरवाहीः अक्सर लोग सोचते हैं कि 'पालतू कुत्ते ने काटा है तो वैक्सीन की जरूरत नहीं।' यह एक जानलेवा भूल है; कुत्ता पालतू हो या आवारा, डॉक्टर की सलाह और वैक्सीन अनिवार्य है।

टीकाकरण में देरीः काटने के तुरंत बाद टीका न लगवाना वायरस को शरीर में फैलने और तंत्रिका तंत्र तक पहुंचने का मौका देता है। विषेशज्ञों के मुताबिक कुत्ते के काटने के 24 घंटे के भीतर वैक्सीन लगवाना चाहिए।

अधूरा वैक्सीन कोर्सः कई लोग एक-दो इंजेक्शन लगवाकर कोर्स छोड़ देते हैं। कोर्स पूरा न करने से शरीर में वायरस के खिलाफ पूरी प्रतिरोधक क्षमता विकसित नहीं हो पाती।

घाव को ढकना या पट्टी बांधनाः घाव को तुरंत पट्टी से बांधने या टांके लगवाने से वायरस अंदर ही दब जाता है। रेबीज का घाव खुला रखना और ऑक्सीजन के संपर्क में रहना जरूरी है।

लक्षणों का इंतजार करनाः एक बार यदि रेबीज के लक्षण (जैसे पानी से डर लगना या व्यवहार में बदलाव) दिखने शुरू हो जाएं, तो मृत्यु की संभावना लगभग 100% हो जाती है, क्योंकि रेबीज का कोई इलाज नहीं है, केवल बचाव है।

डॉक्टर से मिलने पर कौन से टीके और इंजेक्शन अनिवार्य हैं?

अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टर घाव की गंभीरता (Category I, II, or III) के आधार पर 'एंटी-रेबीज वैक्सीन' का कोर्स शुरू करते हैं। अगर घाव गहरा है, तो 'रेबीज इम्यूनोग्लोबुलिन' (RIG) का इंजेक्शन सीधे घाव के आसपास दिया जाता है ताकि वायरस को तुरंत बेअसर किया जा सके। इसके साथ ही टिटनेस का इंजेक्शन भी लगाया जाता है। डॉक्टर की सलाह के बिना वैक्सीन की कोई भी डोज न छोड़ें।

जागरूकता ही रेबीज से बचाव का एकमात्र मंत्र है

कुत्ते के काटने की घटना को कभी भी हल्के में न लें। यह खबर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि सही समय पर की गई सफाई और टीकाकरण रेबीज को 100% रोक सकते हैं। अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए प्राथमिक चिकित्सा के इन नियमों को याद रखें। आवारा कुत्तों से दूरी बनाए रखें और अपने पालतू जानवरों का नियमित टीकाकरण कराएं। आपकी सतर्कता ही आपको और समाज को इस घातक बीमारी से सुरक्षित रख सकती है।

कुत्ता लगवाने पर कब लगवाना चाहिए इंजेक्शन

डॉक्टर के मुताबिक, कुत्ता काटने के 24 घंटे के अंदर-अंदर तक एंटी रैबीज का इजेक्शन हर हाल में लगवा लेना चाहिए। वरना कई तरह की परेशानियां हो सकती हैं। अक्सर कुत्ता काटने के बाद 5 इंजेक्सन लगवाना पड़ता है लेकिन पहला इंजेक्शन 24 घंटे में ही लग जाना चाहिए। इसके बाद दूसरा इंजेक्शन तीसरे दिन, तीसरा 7वें दिन, चौथा 14वें दिन और आखिरी 28वें दिन लगता है। डॉक्टर बताते हैं कि कभी-कभी इंजेक्सन लगाने के बाद कुछ लोगों को बुखार जैसी समस्या हो सकती है। हालांकि, इसके लिए घबराने की जरूरत नहीं है।

शरीर में आयरन की कमी होने पर दिखते हैं ये लक्षण, डॉक्टर ने बताई ये जरूरी बातें

शरीर में खून की कमी होने से काफी पहले ही शरीर हमे कुछ संकेत देने लगता है। अक्सर लोग उन संकेतों को सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। आइए इस लेख में इन्हीं लक्षणों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

अक्सर हम मानते हैं कि अगर हमारी ब्लड रिपोर्ट में हीमोग्लोबिन का स्तर सामान्य है, तो शरीर में खून की कोई कमी नहीं है। मगर डॉक्टर शालिनी सिंह सोलंकी ने सोशल मीडिया पर एक महत्वपूर्ण वीडियो साझा कर इस भ्रम को तोड़ा है। उन्होंने बताया कि आयरन का काम सिर्फ खून बनाना नहीं, बल्कि पूरे शरीर के अंगों तक ऑक्सीजन पहुंचाना भी है। आयरन की कमी होने पर आपका हृदय और मस्तिष्क दोनों कमजोर हो सकते हैं।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि रिपोर्ट में हीमोग्लोबिन सामान्य होने के बावजूद आपके शरीर में आयरन की कमी हो सकती है। डॉक्टर सोलंकी के अनुसार, हीमोग्लोबिन का कम होना आयरन की कमी का 'आखिरी चरण' होता है, उससे पहले शरीर कई अन्य सूक्ष्म संकेतों के जरिए चेतावनी देना शुरू कर देता है।

इन लक्षणों को पहचानना इसलिए जरूरी है क्योंकि ऑक्सीजन की कमी आपके अंगों को स्थायी नुकसान पहुंचा सकती है। आइए इस लेख में जानते हैं कि शरीर में आयरन की कमी होने पर कैसे लक्षण दिखते हैं।

डॉक्टर सोलंकी के अनुसार, अगर आपको सुबह उठते ही थकान महसूस होती है और शरीर रिचार्ज नहीं हो पाता, तो यह आयरन की कमी है। इसके अलावा सीढ़ियां चढ़ने या थोड़ा काम करने पर छाती में 'घड़-घड़' (धड़कन तेज होना) महसूस होना, एक्सरसाइज करने की हिम्मत न होना और मांसपेशियों में कमजोरी इसके प्रमुख लक्षण हैं। यह शरीर में कम ऑक्सीजन सप्लाई का नतीजा होता है।

मस्तिष्क और व्यवहार पर आयरन की कमी का क्या असर पड़ता है?

आयरन की कमी सीधे आपके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। जब मस्तिष्क को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिलती, तो दिमाग 'स्लो' काम करने लगता है और फोकस कमजोर हो जाता है। डॉक्टर ने बताया कि ऐसे में व्यक्ति की मीठा खाने की इच्छा भी बढ़ जाती है, क्योंकि शरीर ऊर्जा के लिए इंस्टेंट एनर्जी की तलाश करता है। साथ ही महिलाओं में मासिक धर्म के बाद भी लंबे समय तक कमजोरी बनी रहना आयरन की कमी का बड़ा संकेत है।

क्या बाहरी शारीरिक लक्षण भी आयरन की कमी की चेतावनी देते हैं?

जी हां, डॉक्टर सोलंकी ने कुछ स्पष्ट शारीरिक संकेतों का भी जिक्र किया है। अगर आपके मुंह के कोने फटने लगे हैं या जीभ में लगातार जलन का अहसास होता है, तो यह आयरन की कमी का स्पष्ट संकेत है। इसके अलावा मांसपेशियों की कमजोरी के कारण रोजमर्रा के छोटे काम करना भी दूभर हो जाता है। इन लक्षणों का मतलब है कि आपके शरीर में हीमोग्लोबिन का लेवल गिरने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

हीमोग्लोबिन रिपोर्ट पर आंख मूंदकर भरोसा क्यों न करें?

यह खबर हमें सिखाती है कि स्वास्थ्य केवल एक लैब रिपोर्ट के आंकड़ों तक सीमित नहीं है। हीमोग्लोबिन नॉर्मल होने पर भी आयरन की कमी आपके जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती है। डॉक्टर सोलंकी की यह सलाह महत्वपूर्ण है क्योंकि समय पर आयरन की कमी को पहचानकर हम हृदय और मस्तिष्क की गंभीर समस्याओं से बच सकते हैं। अपने शरीर के संकेतों को सुनें और केवल हीमोग्लोबिन नहीं, बल्कि 'फेरिटिन' टेस्ट के जरिए आयरन के लेवल की जांच करवाएं।

कांच के बर्तनों को चमकदार बनाए रखने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

कांच के बर्तन रसोई में एक खास जगह रखते हैं। ये देखने में तो सुंदर होते हैं, लेकिन इन्हें साफ और चमकदार बनाए रखना थोड़ा मुश्किल हो सकता है, खासकर जब बात कांच के गिलास की हो, जो अक्सर इस्तेमाल के बाद धुंधला हो जाता है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने कांच के गिलास को हमेशा नए जैसा रख सकते हैं।

गर्म पानी और बर्तन धोने वाले साबुन का करें इस्तेमाल

गर्म पानी और बर्तन धोने वाले साबुन का मिश्रण आपके कांच के गिलास को साफ करने का सबसे आसान तरीका है। सबसे पहले एक बर्तन में गर्म पानी भरें और उसमें थोड़ा साबुन मिलाएं। अब इस मिश्रण में अपने गिलास को कुछ मिनट के लिए भिगो दें। इसके बाद एक मुलायम स्पंज से हल्के हाथों से रगड़ें और साफ पानी से धो लें। इससे आपके गिलास की सारी गंदगी और दाग हट जाएंगे।

सिरका है बेहतरीन विकल्प

सिरका एक प्राकृतिक सफाई करने वाला पदार्थ है, जो आपके कांच के गिलास को चमकदार बनाने में मदद कर सकता है। इसके लिए एक कप सिरके को गर्म पानी में मिलाकर गिलास को इसमें कुछ मिनट के लिए भिगो दें। इसके बाद एक मुलायम कपड़े से पोंछ लें। इससे आपके गिलास पर कोई भी दाग या धब्बा नहीं रहेगा और वह नए जैसा लगेगा।

नमक का करें उपयोग

नमक का उपयोग भी आपके कांच के गिलास को साफ करने में मदद कर सकता है। इसके लिए थोड़े से नमक को गंदे हिस्से पर छिड़कें और उसे कुछ मिनट के लिए छोड़ दें। अब हल्के गर्म पानी से धो लें। इससे गंदगी आसानी से हट जाएगी और गिलास फिर से चमक उठेगा। नमक एक प्राकृतिक सफाई करने वाला है, जो आपके कांच के बर्तन को सुरक्षित रखता है और उसे नया जैसा दिखाता है।

खाने का सोडा का करें इस्तेमाल

खाने का सोडा एक ऐसी चीज है, जो कई कामों में आता है। आप इसका उपयोग अपने कांच के गिलास को साफ करने के लिए भी कर सकते हैं। इसके लिए एक चम्मच खाने का सोडा और आधा चम्मच पानी मिलाकर एक पेस्ट बना लें, जिसे गंदे हिस्से पर लगाकर कुछ देर छोड़ दें। इसके बाद मुलायम स्पंज से रगड़कर साफ पानी से धो लें। इससे गंदगी हट जाएगी और गिलास फिर से चमक उठेगा।

माइक्रोफाइबर कपड़े का करें उपयोग

माइक्रोफाइबर कपड़ा एक ऐसी सामग्री होती है, जो आपके कांच के बर्तन को बिना किसी रसायन के साफ कर सकती है। इसके लिए बस गंदे हिस्से पर थोड़ा पानी डालकर माइक्रोफाइबर कपड़े से रगड़ें। इससे सारी गंदगी हट जाएगी और आपका कांच नया जैसा दिखेगा। इन तरीकों को अपनाकर आप अपने कांच के बर्तन को साफ-सुथरा रख सकते हैं और उन्हें लंबे समय तक सुरक्षित रख सकते हैं।

पुराने फोन से सीसीटीवी कैमरा बनाने का तरीका....जो आप मिस नहीं करना चाहेंगे

पुराने फोन को फेंकने की बजाय आप उससे सीसीटीवी कैमरा बनाकर तैयार कर सकते हैं। यहां हम आपको उसका तरीका बताएंगे।

आज के समय में सुरक्षा हर घर और ऑफिस के लिए बेहद जरूरी हो गई है। इसके लिए लोग हर जगह सीसीटीवी कैमरा लगवाना पसंद करते हैं। पर, हर किसी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगवाना महंगा हो सकता है। ऐसे में ये लेख आपके काम का है।

आप अपने पुराने फोन को फेंकने की बजाय उससे CCTV कैमरा बना सकते हैं। ये तरीका न केवल आसान है, बल्कि बजट फ्रेंडली भी है। पुराने फोन का कैमरा और इंटरनेट कनेक्शन आपके घर या ऑफिस की निगरानी के लिए काम आ सकता है।

इसके लिए किसी विशेष तकनीकी ज्ञान की जरूरत नहीं है। बस थोड़ा सा सेटअप और सही ऐप का इस्तेमाल करके आप 24/7 लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग और अलर्ट प्राप्त कर सकते हैं। इस उपाय से आप अपने पुराने फोन को उपयोगी बना सकते हैं और घर की सुरक्षा भी सुनिश्चित कर सकते हैं।

पुराने फोन से CCTV कैमरा बनाने के लिए जरूरी सामान

पुराना स्मार्टफोन (Android या iOS)
चार्जर
स्टेबल Wi-Fi
CCTV ऐप

इसका सही तरीका जान लें

पुराने फोन को CCTV कैमरा बनाने के लिए सबसे पहले आपको अपने फोन में कोई भरोसेमंद CCTV ऐप डाउनलोड करना होगा।

ऐप इंस्टॉल करने के बाद आपको अकाउंट बनाना होगा।

लॉगिन प्रक्रिया पूरी होने के बाद ऐप आपके फोन के कैमरा और माइक्रोफोन को एक्सेस करने के लिए परमिशन मांगेगा, जिसे "Allow" करना जरूरी है।

इस चरण के बाद आपका फोन तकनीकी रूप से CCTV कैमरा बनने के लिए तैयार हो जाता है।

इसके बाद फोन को उस स्थान पर रखें जहां आप पूरी जगह को कवर कर सकें।

फोन को किसी स्थिर जगह, शेल्फ या छोटी स्टैंड/ट्राइपॉड पर रखें, इससे वीडियो स्ट्रीमिंग के दौरान झटके या हिलने-डुलने की समस्या नहीं होगी।

CCTV कैमरा 24/7 काम करेगा, इसलिए फोन को हमेशा चार्जर से कनेक्ट करना जरूरी है।

चार्जिंग सुनिश्चित करने के बाद ऐप में "Live View" या "Camera On" ऑप्शन चालू करें।

ये फीचर आपके फोन के कैमरे से रियल-टाइम वीडियो स्ट्रीमिंग शुरू कर देता है।

अब आप घर से दूर होने पर भी किसी भी समय निगरानी कर सकते हैं।

इसके अलावा कई ऐप्स में मोशन डिटेक्शन और अलर्ट का फीचर मौजूद होता है।

जब कैमरा कोई मूवमेंट डिटेक्ट करता है, तो ऐप तुरंत अलर्ट भेज देता है।

कुछ ऐप्स वीडियो रिकॉर्डिंग और क्लाउड स्टोरेज की सुविधा भी प्रदान करते हैं, जिससे सुरक्षा और भी स्मार्ट और भरोसेमंद हो जाती है।

ये हैं फायदे

बजट फ्रेंडली और इको-फ्रेंडली
पुराने फोन का होगा इस्तेमाल

बरतें ये सावधानी

फोन को सुरक्षित और स्थिर जगह पर रखें
Wi-Fi कनेक्शन मजबूत होना चाहिए
कैमरा डाइरेक्ट सनलाइट या पानी से बचा हुआ हो

बजट में 'सभी के लिए बीमा' का सपना होगा साकार? जानें कवरेज बढ़ाने को लेकर उद्योग को क्या उम्मीद

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आगामी 1 फरवरी 2026 को वित्त वर्ष 2026-27 का बजट पेश करेंगी।बीमा उद्योग इसे लेकर काफी उम्मीदें है, उद्योग का कहना है कि सरकार ने पहले ही जीवन बीमा इंश्योरेंस पर से जीएसटी को हटाने का फैसला किया था। इससे जीवन बीमा लगभग 18 प्रतिशत अधिक सस्ता और किफायती हो गया है। लेकिन 2047 तक सभी के लिए बीमा के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लक्षित नीति और बजटीय उपायों के समर्थन और एक रोडमैप बनाने की जरूरत है।

लक्ष्य हासिल करने के लिए क्रियान्वयन की आवश्यकता

यूनिवर्सल सोम्पो जनरल इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ शरद माथुर कहते हैं कि सभी के लिए बीमा उपलब्ध करवाने के लिए केवल इरादे ही नहीं उनके लिए उपायों और समर्थित नीतियों की जरूरत है। 2047 तक सभी के लिए बीमा के लक्ष्य को पाने के लिए लक्षित नीति और बजटीय उपायों द्वारा समर्थित एक स्पष्ट समयबद्ध रोडमैप की जरूरत होगी। इसके लिए साझा डिजिटल बीमा के बुनियादी ढांचे और बीमा जागरुकता के लिए लगातार काम करने के साथ इसके वित्तपोषण की आवश्यकता है। विशेष रूप से ग्रामीण और कम आय वाले क्षेत्रों के लिए यह जरूरी है। वे कहते हैं कि ये सभी उपाय मिलकर सुरक्षा के गैप को कम करने, बीमा को किफायती बनाने और सार्वभौमिक बीमा के दृष्टिकोण को जमीनी स्तर पर साकार करने में मदद करेंगे।

सभी के लिए बीमा की दिशा में तेजी लाने के लिए ये जरूरी

बंधन लाइफ के एमडी और सीईओ सतीश्वर बी. कहते है कि 2025 में सबसे अच्छे सुधारों में से एक सरकार ने जीवन बीमा इंश्योरेंस पर से जीएसटी को हटाने का फैसला था। इससे जीवन बीमा लगभग 18 प्रतिशत अधिक सस्ता हो गया। इससे अधिक लोगों ने अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए प्रोत्साहित हुए हैं। हमें उम्मीद है कि इस साल का बजट भी इसी रफ्तार को बनाए रखेगा। हमें उम्मींद है कि सरकार बजट में पेंशन उत्पादों को अधिक समर्थन के साथ और ट्रेडिशनल प्लान की तरह प्रीमियम कैप को बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर सकती है। इन उपायों से 2047 तक 'सभी के लिए बीमा' की दिशा में तेजी लाने में बहुत मदद मिलेगी। हालांकि, इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) के नुकसान के कारण इंश्योरेंस कंपनियों को ऑपरेशन लागत में बढ़ोतरी का सामना करना पड़ा है, मुझे उम्मीद है कि बेहतर किफायती दरों और बढ़ी हुई मांग इस असर को कम करने में मदद करेगी।

प्रोटेक्शन और स्वास्थ्य बीमा के लिए बेहत कर लाभ

बीमा की पहुंच बढ़ाने और 2047 तक सभी के लिए बीमा के विजन को पाने के लिए जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा पर टैक्स बेनिफिट्स यानी लाभ को बढ़ाने पर सरकार इस बजट में विचार करेगी ऐसी उम्मीद बीमा उद्योग को है। विशेष रूप मौजूदा लिमिट बढ़ाने या जीवन बीमा प्रीमियम के लिए एक अलग डेडिकेटेड सेक्शन शुरू करने की सलाह उद्योग दे रहा है। उद्योग का कहना है, इन कर लाभ को पुराने और नए दोनों कर प्रणाली में शामिल किया जाए, इससे बीमा पहुंच सभी के लिए बढ़ेगी और यह किफायती भी होगा।

एन्युटी प्लान पर टैक्स राहत

उद्योग और बीमा जानकारों का कहना है, भारत में रिटायरमेंट सेविंग्स में अंतर बढ़ रहा है, जिससे 2050 तक 85 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इस अंतर को भरने के लिए कुछ करना होगा। सरकार इस साल बजट में सभी पेंशन और एन्युटी उत्पादों पर 50,000 रुपये की छूट को बढ़ा सकती है। एन्युटी पेमेंट पर कर कम किया जा सकता है, जिससे रिटायरमेंट आय अधिक टैक्स एफिशिएंट और सेवर्स के लिए आकर्षक हो जाएगी। इसके साथ ही इन उत्पादों के लिए कर लाभ को आसान बनाने और बढ़ाने से अधिक भारतीय लॉन्ग टर्म इनकम सिक्योरिटी में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित होंगे।

यूलिप के लिए टैक्स फ्री मैच्योरिटी के लिए प्रीमियम कैप बढ़ाकर 5 लाख करने की मांग

उद्योग का कहना है, हमें उम्मींद है कि इस साल बजट में यूलिप कैप को पारंपरिक उत्पाद की तरह ही बढ़ाकर 5 लाख रुपये दिया जाएगा। वर्तमान समय में यूलिप में फ्री मैच्योरिटी के लिए सालाना प्रीमियक का कैप 2.5 लाख रुपये है।

ट्रंप का बड़ा फैसला, डब्ल्यूएचओ से अमेरिका हुआ बाहर, संगठन के सामने खड़ी हुईं चुनौतियां

दावोस में ट्रंप की सेहत को लेकर फिर उठे सवाल, हाथ में चोट के निशान कैसे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका आधिकारिक तौर पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से अलग हो गया है। देश ने गुरुवार को आधिकारिक तौर पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से अलग होने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। इससे पहले एक साल तक चेतावनियां दी जाती रहीं कि ऐसा करने से अमेरिका और दुनिया भर में सार्वजनिक स्वास्थ्य को नुकसान होगा। अमेरिका का कहना है कि यह फैसला कोविड-19 महामारी के दौरान डब्ल्यूएचओ के प्रबंधन में रही चूक को सामने रखता है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2025 में अपने राष्ट्रपति कार्यकाल के पहले ही दिन एक कार्यकारी आदेश के जरिए अमेरिका को डब्ल्यूएचओ से बाहर निकालने की सूचना दी थी। अमेरिकी स्वास्थ्य और विदेश विभाग की ओर से जारी एक प्रेस रिलीज के मुताबिक, अमेरिका अब डब्ल्यूएचओ के साथ सिर्फ उतना ही काम करेगा, जितना संगठन से पूरी तरह बाहर निकलने की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए जरूरी है।

एक वरिष्ठ सरकारी स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा, हमारी ऑब्जर्वर के तौर पर भाग लेने की कोई योजना नहीं है और न ही दोबारा जुड़ने की कोई योजना है। अमेरिका ने कहा कि वो रोग निगरानी और अन्य सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकताओं पर अंतरराष्ट्रीय संगठन के जरिए नहीं, बल्कि सीधे अन्य देशों के साथ मिलकर काम करने की योजना बना रहा है।

क्या कहता है अमेरिका का कानून

अमेरिकी कानून के तहत, अमेरिका को डब्ल्यूएचओ छोड़ने से पहले एक साल का नोटिस देना था और करीब 26 करोड़ डॉलर की बकाया राशि चुकानी थी। लेकिन, अमेरिकी विदेश विभाग के एक अधिकारी ने इस बात से असहमति जताई कि कानून में यह शर्त है कि संगठन छोड़ने से पहले भुगतान करना जरूरी है। गुरुवार को ईमेल के जरिए एक विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा, अमेरिकी जनता पहले ही काफी भुगतान कर चुकी है।

सरकार ने बंद की फंडिंग

स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग (HHS) ने गुरुवार को जारी एक दस्तावेज में कहा कि सरकार ने डब्ल्यूएचओ को दी जाने वाली फंडिंग पूरी तरह बंद कर दी है। HHS के प्रवक्ता के मुताबिक, राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए डब्ल्यूएचओ को आगे किसी भी तरह की अमेरिकी सरकारी मदद देने पर रोक लगा दी, क्योंकि उनका मानना है कि इस संगठन से अमेरिका को बहुत बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ है। साथ ही गुरुवार को जिनेवा स्थित डब्ल्यूएचओ मुख्यालय के बाहर से अमेरिकी झंडा भी हटा दिया गया। हाल के हफ्तों में अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र की कई अन्य एजेंसियों से भी बाहर निकलने की प्रक्रिया शुरू की है। डब्ल्यूएचओ के कुछ आलोचकों ने संगठन की जगह एक नई एजेंसी बनाने का सुझाव भी दिया है। हालांकि, ट्रंप प्रशासन की ओर से पिछले साल देखे गए एक प्रस्ताव दस्तावेज में यह सुझाव दिया गया था कि अमेरिका को WHO में सुधारों के लिए दबाव बनाना चाहिए और वहां अमेरिकी नेतृत्व को मजबूत करना चाहिए। पिछले एक साल में कई वैश्विक स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इस फैसले पर दोबारा सोचने की अपील की है।

डब्ल्यूएचओ के सामने बड़ी चुनौती

WHO ने यह भी कहा है कि अमेरिका ने 2024 और 2025 के लिए बकाया शुल्क अब तक नहीं चुकाया है। WHO के एक प्रवक्ता के अनुसार, फरवरी में होने वाली संगठन की कार्यकारी बोर्ड बैठक में अमेरिका के बाहर निकलने और उससे जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हाल ही में दावोस में विश्व आर्थिक मंच में शामिल हुए। इस दौरान एक बार फिर ट्रंप की हेल्थ को लेकर सवाल उठने लगे। दरअसल, ट्रंप के हाथ में एक ब्रूज दिखाई दिया। इसी के बाद 79 साल के राष्ट्रपति की सेहत को लेकर सवाल पूछे जाने लगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को अपने बाएं हाथ पर दिखे नए और साफ नजर आने वाले चोट के निशान को लेकर पूछे गए सवालों को हल्के में टाल दिया और कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है।

दावोस शिखर सम्मेलन से लौटते समय ट्रंप ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, यह निशान एक मामूली हादसे की वजह से है। उन्होंने कहा, मेरा हाथ मेज से टकरा गया था। ट्रंप ने यह भी बताया कि

बाद में उन्होंने उस पर क्रीम लगा ली थी। जब उनसे पूछा गया कि लंबी उड़ान के बाद उनकी तबीयत कैसी है, तो राष्ट्रपति ने जवाब दिया, मैं बिल्कुल ठीक हूं।

क्या है निशान की वजह?

अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि हाथ पर पड़े चोट के निशान की एक वजह उनका रेगुलर एस्पिरिन लेना भी है। उनके मुताबिक, एस्पिरिन लेने से शरीर पर निशान पड़ने की संभावना बढ़ जाती है। उन्होंने कहा, मैं बड़ी एस्पिरिन लेता हूं। जब आप बड़ी एस्पिरिन लेते हैं, तो वो बताते हैं कि इससे आसानी से ब्रूज पड़ जाते हैं। ट्रंप के मुताबिक, उनके डॉक्टर ने उन्हें बताया है कि इतनी ज्यादा मात्रा में दवा लेना जरूरी नहीं है। ट्रंप ने कहा, डॉक्टर ने मुझसे कहा, सर, आपको इसकी जरूरत नहीं है, आप बहुत स्वस्थ हैं। लेकिन, मैंने कहा, मैं कोई जोखिम नहीं लेना चाहता।

व्हाइट हाउस ने भी दिया जवाब

इसी के साथ ट्रंप की सेहत पर उठे सवाल पर व्हाइट हाउस ने भी जवाब दिया है। व्हाइट हाउस ने इससे पहले पुष्टि की थी कि स्विट्जरलैंड के दावोस में हुए बोर्ड ऑफ पीस के हस्ताक्षर समारोह के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप के हाथ में चोट लगी थी। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने एक बयान में कहा, राष्ट्रपति ट्रंप का हाथ मेज के कोने से टकरा गया था, जिससे वहां चोट का निशान पड़ गया।

पहले भी दिखे चोट के निशान

ट्रंप के हाथों पर चोट के निशान पहले भी ध्यान खींच चुके हैं, खासकर तब जब सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान वो उन्हें मेकअप या पट्टी से ढकते हुए नजर आए थे। ट्रंप पहले द वॉल स्ट्रीट जर्नल को बता चुके हैं कि वो रोजाना सलाह से ज्यादा मात्रा में एस्पिरिन लेते हैं। उनका कहना है कि इससे खून पतला रहता है और दिल से जुड़ा जोखिम कम होता है। उन्होंने यह भी माना कि वो हर दिन एस्पिरिन की बड़ी खुराक लेते हैं और इसकी मात्रा कम करने से हिचकते हैं। जर्नल से बातचीत में ट्रंप ने कहा था, मैं थोड़ा अंधविश्वासी हूं।

सेहत को लेकर उठते रहे सवाल

इसी के साथ साल 2025 में ट्रंप की सेहत को लेकर जांच और चर्चा बढ़ गई थी। जुलाई में व्हाइट हाउस ने चिंताओं को शांत करने की कोशिश करते हुए बताया कि मेडिकल जांच के बाद ट्रंप में क्रॉनिक वेनस इनसफिशिएंसी की पुष्टि हुई है। यह बुजुर्गों में पाई जाने वाली एक आम बीमारी है, जिसमें पैरों के निचले हिस्से में खून जमा हो सकता है। हालांकि, जांच में हार्ट फेल्योर जैसी गंभीर बीमारियों को खारिज कर दिया गया था।

व्हाइट हाउस के डॉक्टरों ने इन दावों को सिरे से खारिज किया था। व्हाइट हाउस ने कहा था कि ट्रंप पूरी तरह स्वस्थ हैं और स्कैन और मेटाबॉलिक टेस्ट के नतीजे सामान्य आए हैं।

शांति बोर्ड में शामिल होकर अपने ही घर में घिरे शहबाज, विपक्ष का तंज- क्या अब नेतन्याहू संग बैठेंगे

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका के साथ गलबहियां करने के चक्कर में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अपने ही घर में सवालों के बीच घिर गए हैं। उन्हें विपक्ष की कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड की अध्यक्षता में बने शांति बोर्ड में शामिल होने के लिए शरीफ ने शरीफ ने गुरुवार को हस्ताक्षर किए। पाकिस्तान समेत 19 देशों के नेताओं ने दावोस में इस समूह के चार्टर के रूप में अपना-अपना नाम दर्ज कराया। इस दौरान जब शहबाज का हस्ताक्षर करने का वक्त आया तो वह ट्रंप के बगल में बैठक मुस्कुराते नजर आए। हालांकि, इस फैसले ने पाकिस्तान के अंदर बवाल मचा दिया।

आइए पहले जानते हैं कि यह शांति बोर्ड क्यों बनाया गया है और

इसको बनाने का विचार कहां से आया है। शांति बोर्ड बनाने का विचार सबसे पहले गाजा युद्ध के दौरान आया, जब अमेरिकी ने अपनी शांति योजना को पेश किया। यह बोर्ड गाजा में शांति की निगरानी करने के लिए बनाया गया। लेकिन यह बोर्ड अंतरराष्ट्रीय संघर्षों के समाधान के लिए एक मध्यस्थ की भूमिका की दिशा में आगे बढ़ता दिख रहा है। बताया जा रहा है कि ट्रंप इसके माध्यम से अपना खुद का संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) बना रहे हैं।

इस फैसले पर इमरान खान की पार्टी ने क्या कहा?

विपक्षी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के अध्यक्ष गोहर अली खान ने इस फैसले पर अफसोस जताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री शरीफ ने किसी परामर्श के शांति बोर्ड में शामिल होने का फैसला किया। उन्होंने कहा, कल विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह शांति बोर्ड में शामिल हो गया है। सरकार ने संसद को नजरअंदाज किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शांति बोर्ड में शामिल होने से पहले उसकी शर्तों के बारे में संसद को बताया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा, क्या आप हमास को निरस्त्र करने में भूमिका निभाएंगे? अगर यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का कोई निकाय होता, तो सरकार खुद से कदम उठा सकती थी। लेकिन शांति बोर्ड कोई यूएन का निकाय नहीं है।

पाकिस्तान के प्रमुख अखबार डॉन की खबर के मुताबिक, पीटीआई के वरिष्ठ नेता असद कैसर ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार ने इतने संवेदनशील मुद्दे पर सर्वसम्मति से फैसला लेने की जहमत नहीं उठाई। उन्हें इस पर संसद में चर्चा करना चाहिए थी, ताकि विश्व समुदाय में यह धारणा बने कि पाकिस्तान में लोकतंत्र है।

जेयूआई-एफ ने भी सरकार पर साधा निशाना

जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम फजल (जेयूआई-एफ) के प्रमुख फजलुर रहमान ने भी इस फैसले की कड़ी आलोचना की।

उन्होंने हमास को निरस्त्र करने के किसी भी अभियान का हिस्सा बनने के खिलाफ चेतावनी दी।

पाकिस्तान की संसद में रहमान ने कहा कि फलस्तीनियों की दुर्दशा के लिए जिम्मेदार लोग शांति बोर्ड का हिस्सा हैं।

उन्होंने कहा कि ट्रंप से शांति की उम्मीद करना बेवकूफों की जन्नत (स्वर्ग) में रहने जैसा है।

फजलुर रहमान ने इस बात पर जोर दिया कि ट्रंप ही बोर्ड के अध्यक्ष हैं और उन्होंने अपनी इच्छा से सदस्यों को चुना है।

उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी का अपहरण किया है।

रहमान ने कहा कि गाजा पर बमबारी जारी है और प्रधानमंत्री शरीफ और (इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन) नेतन्याहू इस बोर्ड में कंधे से कंधा मिलाकर बैठेंगे।

यूएई ने निभाई दोस्ती, 900 से ज्यादा भारतीय कैदियों की सजा और जुर्माना माफ करने का एलान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच रिश्ते में एक और सकारात्मक कदम देखने को मिल रहा है। यूएई सरकार ने नेशनल डे से पहले 900 से ज्यादा भारतीय कैदियों को रिहा करने का फैसला लिया है। इसके लिए अबू धाबी स्थित भारतीय दूतावास को रिहा करने वाले कैदियों की लिस्ट सौंप दी है।

दरअसल, यूएई सरकार ने जेल में बंद 900 से अधिक भारतीय नागरिकों को रिहा करने का निर्णय अपने 'नेशनल डे' (ईद अल इतिहाद) के उपलक्ष्य में मानवीय आधार पर लिया है।

पिछले साल 27 नवंबर को यूएई प्रेसिडेंट ने अपनी वेबसाइट पर शेयर किए गए एक ऑफिशियल ऑर्डर में बताया था कि ईद अल एतिहाद से पहले 2937 कैदियों को रिहा किया गया है। बताते चले कि ईद अल एतिहाद 2 दिसंबर को UAE का नेशनल सेलिब्रेशन है। यह समारोह

हर साल 2 दिसंबर को मनाया जाता है और यह 1971 में सात अमीरात के एकीकरण की याद दिलाता है।

नहीं देना होगा जुर्माना

सबसे खास बात यह है कि यूएई के राष्ट्रपति महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने कैदियों पर उनकी सजा के हिस्से के रूप में लगाए गए वित्तीय दंड (जुर्माने) को भी माफ करने का वादा किया है। यानी कैदियों के परिवारों पर आर्थिक बोझ नहीं पड़ेगा और वे अपने प्रियजनों के पुनर्वास में मदद कर सकेंगे।

भारत और UAE के बीच कैसा है संबंध?

गौरतलब है कि सोमवार को UAE के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर भारत का आधिकारिक दौरा किया। पिछले 10 सालों में यह उनका उनका पांचवां दौरा और यूएई के राष्ट्रपति के तौर पर तीसरा आधिकारिक दौरा था। उनके दौरे के दौरान एक रणनीतिक रक्षा साझेदारी को पूरा करने की दिशा में एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन ने भारत दौरे के दौरान पीएम के साथ क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने बहुपक्षीय और बहुपक्षीय मंचों पर उत्कृष्ट सहयोग और आपसी समर्थन का उल्लेख किया। यूएई की तरफ से 2026 में भारत की BRICS अध्यक्षता की सफलता के लिए पूरा समर्थन दिया गया।

बंगाल में एसआइआर सुनवाई कैंप पर भीड़ का हमला, किसी तरह से जान बचाकर भागे अधिकारी

रायगंज। बंगाल में उत्तर दिनाजपुर जिले के इटाहार में गहन मतदाना पुनरीक्षण (एसआइआर) को लेकर तनाव और हिंसा की स्थिति पैदा हो गई। गुरुवार को एक व्यक्ति की ओर से आत्महत्या किए जाने के बाद पूरे इलाके के लोग नाराज हो गए। काफी संख्या में लोग जमा हुए और आरोप लगाया कि एसआइआर सुनवाई के डर से उस व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली। इसके बाद गुस्साई भीड़ ने एक स्कूल में चल रहे एसआइआर सुनवाई केंद्र पर हमला कर दिया।

घटना की शुरुआत सुबह तब हुई, जब इटाहार के मुरालीपुकुर गांव के चंदू सरकार (51) का शव उनके घर के पास एक आम के पेड़ पर फंदे से लटका मिला। स्वजन का आरोप है कि उसकी पत्नी जिन्नातुन खातून के नाम पर एसआइआर सुनवाई का नोटिस मिला, जिसके बाद से ही वह तनाव में था। पत्नी को लेकर सुनवाई कैंप जाने से पहले ही उसने आत्महत्या कर ली।

चंदू की मौत की खबर फैलते ही सुबह करीब साढ़े 11 बजे सैकड़ों की संख्या में उग्र भीड़ लाठी-डंडों से

लैस होकर इटाहार हाई स्कूल पहुंची, जहां उस समय एसआइआर की सुनवाई चल रही थी। गुस्साए लोगों ने अधिकारियों पर हमला बोल दिया।

इटाहार क्षेत्र के कुछ अधिकारी किसी तरह भागकर जान बचाने में कामयाब रहे, लेकिन पतिराजपुर क्षेत्र के अधिकारियों को निशाना बनाया गया। इसमें कई अधिकारियों को चोटें आईं हैं। टेबल, कुर्सियां, बेंच तोड़ दी गईं।

महत्वपूर्ण दस्तावेज को फाड़कर बिखेर दिया गया। उस समय स्कूल में पढ़ाई चल रही थी, जिससे छात्र और शिक्षक भी भयभीत हो गए। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंची। रायगंज के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कुंतल बंद्योपाध्याय भी मौक पर पहुंचे। कई घंटों तक सुनवाई पूरी तरह बंद रही। बाद में कड़ी सुरक्षा के बीच सुनवाई की प्रक्रिया दोबारा शुरू की गई।

तृणमूल कांग्रेस विधायक ने किया सड़क जाम

दूसरी ओर, मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाते समय इटाहार चौक पर 12 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग पर तृणमूल कांग्रेस के विधायक मुशर्रफ हुसैन और उनके समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए सड़क जाम कर दिया। इस घटना के बाद इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया ताकि कोई और अप्रिय स्थिति न बने।

मालदा में हरिबासर मंदिर की मूर्तियों को तोड़ा, आक्रोश

रात के अंधेरे में हरिबासर मंदिर की पांच मूर्तियों को तोड़ दिया गया। मंदिर के पास बाग में बिखरी-टूटी मूर्तियां देखकर स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए। यह घटना बंगाल में मालदा जिले के हरिश्चंद्रपुर थाना इलाके में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस प्रकार की घटना पहले कभी नहीं हुई। हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदाय के लोगों ने दोषियों की पहचान कर गिरफ्तार करने की मांग की है। मालदा के पुलिस अधीक्षक अभिजीत बंद्योपाध्याय ने कहा कि घटनास्थल पर पुलिस मौजूद है और कानून के अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

अमिताभ बच्चन के घर रात 8 बजे के बाद बॉलीवुड वालों की एंट्री बैन, गेट कर लेते हैं बंद, एक्टर का खुलासा

अमिताभ बच्चन के साथ काम कर चुके एक्टर राजा बुंदेला ने खुलासा किया है कि बिग बी के घर में रात के 8 बजे के बाद बॉलीवुड से किसी की भी एंट्री नहीं हो सकती। किसी को आने की इजाजत नहीं है। वो गेट बंद कर लेते हैं। इसकी वजह भी बताई। साथ ही बताया है परिवार और काम को वह कैसे बैलेंस करते हैं।

अमिताभ बच्चन को फिल्म इंडस्ट्री में काम करते हुए 57 साल हो चुके हैं और आज भी वह उसी गर्मजोशी और कड़ी मेहनत से काम करते हैं, जैसे करियर की शुरुआत में करते थे। 82 साल की उम्र में भी अमिताभ बच्चन में इतना जोश और दमखम है कि वह देर रात रोजाना नियम से ब्लॉग लिखते हैं और ट्वीट भी करते हैं। पर जानते हैं कि मेगास्टार अपनी जिंदगी और काम के बीच कैसे बैलेंस बनाते हैं? इसका खुलासा उनके साथ काम कर चुके एक्टर राजा बुंदेला ने किया है। साथ ही यह भी बताया है कि रात 8 बजे के बाद अमिताभ बच्चन अपने घर में बॉलीवुड की किसी भी शख्सियत को आने नहीं देते। वह दरवाजे बंद कर लेते हैं।

राजा बुंदेला ने अमिताभ बच्चन के अनुशासन के साथ-साथ काम और परिवार के बीच बैलेंस बनाए रखने की विधा की तारीफ की। साथ ही उन्होंने एक किस्सा भी सुनाया, जब गोवा में शूट के दौरान अमिताभ ने अपने स्पॉट बॉय को बस से वापस मुंबई अपने जूते लाने भेज दिया था ताकि शूट की कंटिन्यूटी खराब न हो। यह सब राजा बुंदेला ने 'डियर जेनरेशन' के पॉडकास्ट में बताया।

अमिताभ बच्चन के घर रात 8 बजे के बाद बॉलीवुड वालों की एंट्री बैन

राजा बुंदेला ने बताया कि अमिताभ बच्चन कैसे अपनी वर्क लाइफ और निजी जिंदगी में बैलेंस बनाकर रखते हैं। वह बोले, 'वह अपने डायलॉग्स के साथ हमेशा तैयार रहते थे और हर काम समय पर करते थे। वह कभी गॉसिप नहीं करते थे। यहां तक कि जब हम उनके घर पर मिलते थे, तब भी नहीं। मैंने सुना है कि रात 8 बजे के बाद अमिताभ इंडस्ट्री से किसी को भी अपने घर में आने की इजाजत नहीं देते थे। वह अपने दरवाजे बंद कर लेते थे। उन्हें अपने बिजनेस और परिवार के बीच बैलेंस बनाए रखना पसंद था।'

काम को लेकर अनुशासन, जब गोवा से स्पॉट बॉय को जूते लाने मुंबई भेजा

राजा बुंदेला ने फिर बताया कि अमिताभ अपने काम को लेकर किस कदर ईमानदार और सजग थे। इसके लिए उन्होंने गोवा का एक उदाहरण दिया, जहां राजा बुंदेला और अमिताभ बच्चन शूट कर रहे थे। राजा बुंदेला बोले, 'एक बार हम गोवा में शूटिंग कर रहे थे। तभी अमित जी को पता चला कि उनके कंटिन्यूटी शूज मुंबई में ही छूट गए हैं। उन दिनों फ्लाइट्स इतनी ज्यादा नहीं चलती थीं। बहुत अफरा-तफरी मची रहती थी। सीन कुछ ऐसा था कि अमिताभ सड़क पर चल रहे हैं और अचानक उनकी नजर एक सेब पर पड़ी। उनका किरदार दो दिन से भूखा था, इसलिए वह सेब उठाते हैं और इधर-उधर देखने के बाद खा लेते हैं। तो जब वो झुके, तो जाहिर था कि जूते दिखेंगे और कंटिन्यूटी बनाए रखनी जरूरी थी।'

सब पीने में बिजी और अमिताभ सुबह शूट के लिए बैठे थे

राजा बुंदेला ने आगे बताया, 'हम सब रुके हैंगओवर में थे और अमिताभ बच्चन सुबह 7:30 बजे शूटिंग के लिए तैयार थे। मुझे नहीं पता कि वो अब भी ऐसा करते हैं या नहीं, लेकिन उस समय अमिताभ जिस भी फिल्म में काम करते थे, शूटिंग खत्म होते ही वो शूटिंग का सारा सामान अगले शेड्यूल तक अपने साथ ले जाते थे। वो उसे प्रोडक्शन टीम के पास नहीं छोड़ते थे।'

स्पॉट बॉय सुबह पहली फ्लाइट से जूते लाया, फिर अमिताभ ने डायरेक्टर को बुलाया

राजा बुंदेला बोले, 'जब अमिताभ शूटिंग के लिए निकले, तो उनके स्पॉटबॉय ने ध्यान नहीं दिया और वो जूते मुंबई में ही भूल गए। सब लोग बहुत खुश हो गए, पीने लगे, ये सोचकर कि अगले दिन शूटिंग नहीं होगी। अगली सुबह 7:30 बजे हमें पता चला कि वो (अमिताभ) मेकअप और जूतों के साथ तैयार थे, लेकिन कोई भी उनके पास जाने को तैयार नहीं था, न डायरेक्टर, न प्रोड्यूसर, कोई भी नहीं। वो बैठे अखबार पढ़ रहे थे, यही तो अनुशासन है। बाद में हमें पता चला कि रात में उन्होंने अपने स्पॉटबॉय को बस से भेजा था। उसने वहां से जूते लिए और अगले दिन पहली फ्लाइट से वापस आ गया। अमिताभ ने डायरेक्टर टीनू आनंद को फोन किया और शूटिंग शुरू करने को कहा। तो उनका अनुशासन ऐसा था।'

अमिताभ बच्चन इन 2 फिल्मों में आएंगे नजर

प्रोफेशनल फ्रंट की बात करें, तो अमिताभ बच्चन हाल ही 'कौन बनेगा करोड़पति' का 17वां सीजन होस्ट करते नजर आए थे। अब वह 'कल्कि 2898 AD' के सीक्वल में नजर आएंगे। साथ ही नितेश तिवारी की मेगा बजट फिल्म 'रामायण' के लिए भी उनके नाम की चर्चा है।

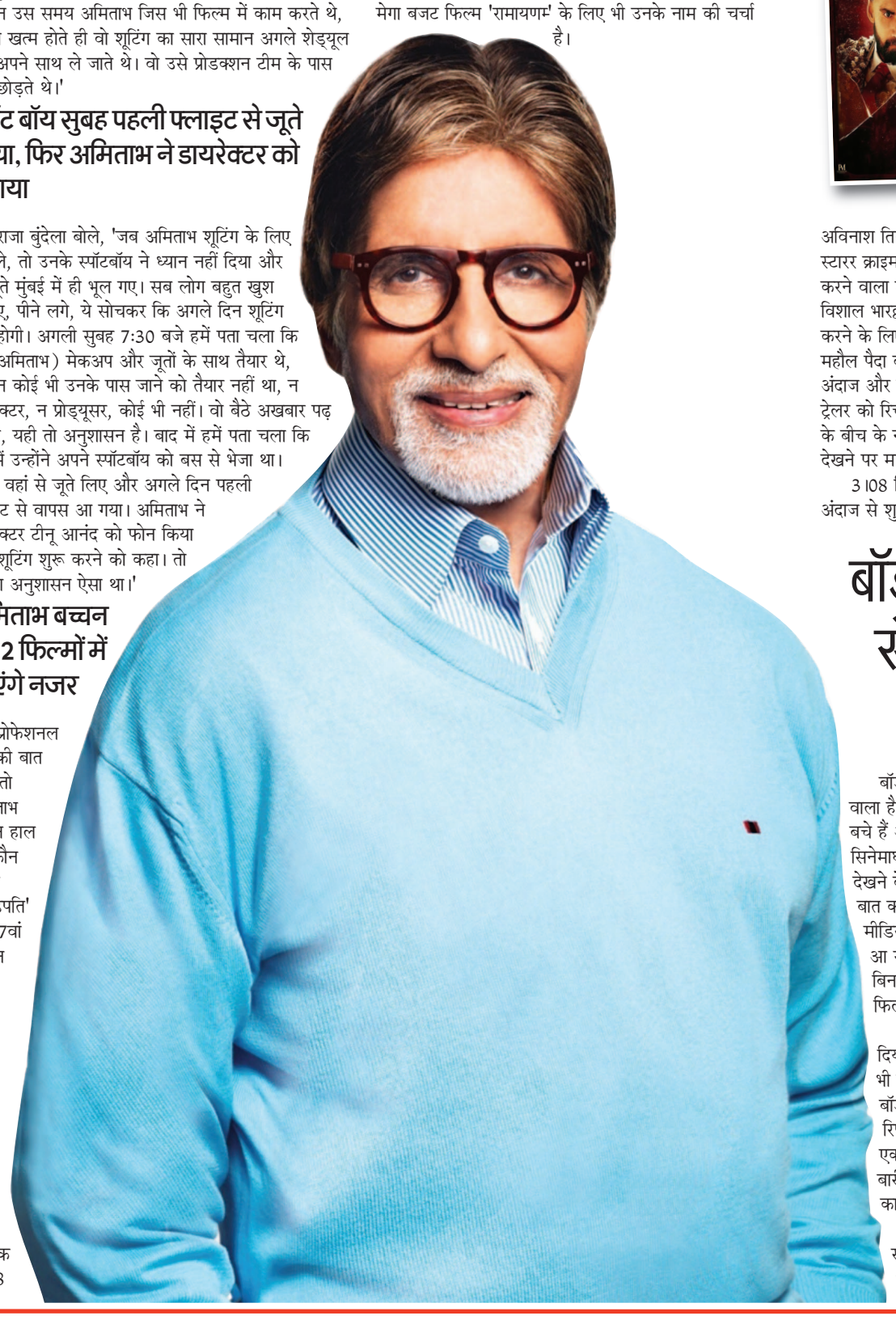

ओ रोमियो का ट्रेलर रिलीज, मोहब्बत बड़ी महंगी.. शाहिद कपूर और अविनाश तिवारी के बीच छिड़ी जंग, फंसीं तृप्ति डिमरी

शाहिद कपूर, तृप्ति डिमरी, अविनाश तिवारी, नाना पाटेकर और फरीदा जलाल स्टारर क्राइम एक्शन ड्रामा ओ रोमियो का कत्लेआम करने वाला ट्रेलर रिलीज हो गया है। शाहिद कपूर और विशाल भारद्वाज एक बार फिर सिल्वर स्क्रीन पर धमाका करने के लिए तैयार हैं। ट्रेलर दर्शकों में फिल्म देखने का महौल पैदा करने वाला है। शाहिद कपूर का सनकी अंदाज और फिल्म के विलेन अविनाश तिवारी का एंगर ट्रेलर को रिच कर रहा है। दूसरी तरफ शाहिद और तृप्ति के बीच के नोकझोक वाली लव केमिस्ट्री भी फिल्म देखने पर मजबूर करने का काम कर रही है।

3 ।08 मिनट का ओ रोमियो का ट्रेलर रोमांटिक अंदाज से शुरू होता है और देखते ही देखते मारकाट और मारदाड़ में बदल जाता है। हर दूसरे सीन में शाहिद कपूर अपने दुश्मनों की गर्दन पर उस्तरा चलाते दिख रहे हैं। वहीं, नाना पाटेकर बंदूक लेकर शाहिद कपूर के पीछे पड़े हैं। तीसने प्लॉट में शाहिद कपूर का तृप्ति डिमरी के प्रति जबरन प्यार भी नजर आ रहा है। ट्रेलर में कुछ डायलॉग इंप्रेस करते हैं और गालियां भी सुनने को मिल रही है। शाहिद कपूर अपने किरदार में खूनमखान नजर आ रहे हैं और अविनाश तिवारी किसी बदले की आग में जलते दिख रहे हैं। अब शाहिद और अविनाशके बीच यह प्यार को लेकर जंग है या फिर बदमाशी की, यह तो फिल्म में देखने के बाद पता चलेगा।

फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं सिनेमा के मास्टर स्टोरीटेलर विशाल भारद्वाज, जिनके साथ शाहिद कपूर की जोड़ी पहले भी 'हैदर' और 'कमीने' जैसी यादगार फिल्में दे चुकी है। फिल्म में शाहिद कपूर के साथ तृप्ति डिमरी भी अहम भूमिका में नजर आएंगी, जिनकी मौजूदगी कहानी को और दिलचस्प बनाने का वादा करती है।

इस फिल्म को नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस कर रहा है और इसे वैलेंटाइन वीक, यानी 13 फरवरी 2026 को रिलीज़ किया जाएगा। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि 'ओ'रोमियो' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि दर्शकों के लिए एक इंटेंस, अनप्रिडिक्टेबल और पैशनेट सिनेमैटिक जर्नी साबित होने वाली है।

बॉर्डर 2 को मिला यू/ए 13+ सर्टिफिकेट, सेंसर बोर्ड ने नहीं लगाया एक भी कट, 3 .16 घंटे फिल्म का रनटाइम

बॉर्डर 2 की रिलीज का काउंटडाउन खत्म होने वाला है। फिल्म की रिलीज में अब बस दो दिन ही बचे हैं और आने वाली 23 जनवरी को फिल्म सिनेमाघरों में चल पड़ेगी। पूरा देश इस फिल्म को देखने के लिए बेताब है। सोशल मीडिया पर इस बात का पक्का सबूत मिल चुका है। सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर शानदार क्रेज नजर आ रहा है। वहीं, फिल्म अब सेंसर बोर्ड से भी बिना किसी कट के पास हो चुकी है। साथ ही फिल्म का रनटाइम भी सामन आ चुका है।

बॉर्डर 2 को सेंसर बोर्ड ने यू/ए सर्टिफिकेट दिया है। खास बात यह है कि फिल्म को एक भी कट लगाए बिना पास किया गया है। फिल्म बॉर्डर 2 का रनटाइम 3 ।16 घंटे का है। रिपोर्ट्स की मानें तो सेंसर बोर्ड ने फिल्म में एक भी कट नहीं लगाया है। फिल्म में युद्ध की बारीकियों, भावनाओं और सैनिकों के बलिदान का विस्तार से देखने को मिलेगा।

सेंसर बोर्ड ने फिल्म को यू/ए 13+ सर्टिफिकेट दिया है, जिसका मतलब है कि 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए पेरेंट्स गाइडेंस जरूरी है, क्योंकि फिल्म में इंटेंस वॉर सीक्वेंस और इमोशनल सीन भी हैं।

फिल्म की कहानी के बारे में बात करें तो यह भारत और पाकिस्तान के बीच 1971 में हुई लड़ाई पर बेस्ड है। इसमें में सनी देओल लेफ्टिनेंट कर्नल फतेह सिंह कालेर (6 सिख रेजिमेंट), वरुण धवन मेजर होशियार सिंह दहिया (पीवीसी, द ग्रेनेडियर्स), दिलजीत दोसांझ फ्लाइंग ऑफिसर निर्मल जीत सिंह सेखों (पीवीसी, इंडियन एयर फोर्स, नंबर 18 स्क्वाड्रन), अहान शेट्टी लेफ्टिनेंट कमांडर एम ।एस। रावत के रोल में नजर आएंगे। फीमेल लीड रोल में मोना सिंह, मेधा राणा, सोनम बाजवा और अन्या सिंह हैं।

फिल्म 23 जनवरी को रिलीज होगी, लेकिन एडवांस बुकिंग बता रही है कि फिल्म ओपनिंग डे पर बॉक्स ऑफिस पर बवाल मचाने वाली है। फिल्म सैकनिल्क की मानें तो बॉर्डर 2 ने बुधवार दोपहर 12 ।30 बज तक 9309 शोज के लिए 108441 टिकट सेल कर 3 ।48 करोड़ रुपये कमा लिए हैं और ब्लॉक सीट की कमाई का आंकड़ा 6 ।73 करोड़ रुपये हो गया है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti ।com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail ।com